संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -351 बुधवार ,23 अक्टूबर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

वक्कफ बिल पर मचा भारी हंगामा

» वक्कफ बिल को लेकर जेपीसी की बैठक में विवाद...

» टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी घायल, हाथ में लगे 4 टांके...

नई दिल्ली,22 अक्टूबर 2024(ए)। वक्कफ बिल पर चर्चा के दौरान जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की बैठक में तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी और भारतीय जनता पार्टी के सांसद अभिजीत गांगोपाध्याय के बीच तीखी बहस हो गई।

इस विवाद के दौरान कल्याण बनर्जी घायल हो गए, जब गुस्से में उन्होंने पानी की कांच की बोतल उठाकर मेज पर पटक दी, जिससे बोतल टूट कर उनके हाथ में लगी। बनर्जी को हाथ में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और उनके हाथ पर 4 टांके लगाए गए। इस घटना के बाद बैठक कुछ समय के लिए रोक दी गई।

कांच की बोतल के टूटने से घायल हुए बनर्जी

सूत्रों के अनुसार, बैठक के दौरान दोनों सांसदों के बीच वक्फ बिल पर बहस हो रही थी, जो अचानक गर्मा गई। इस बीच, कल्याण बनर्जी ने गुस्से में आकर कांच की पानी की बोतल उठा ली और उसे जोर से मेज पर पटक दिया। बोतल के टुकड़े उनके हाथ में लग गए, जिससे उन्हें तुरंत मेडिकल सहायता की जरूरत पड़ी। बनर्जी को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उनके हाथ पर चार टांके लगाए गए।

बैठक में तनाव बढ़ने की वजह

वक्फ बिल पर पहले से ही दोनों पक्षों के बीच मतभेद थे, जो बैठक के दौरान और गहरा गए। चर्चा के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बात झड़प तक पहुंच गई। बैठक में मौजूद अन्य सदस्यों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत किया। इस विवाद ने बैठक की कार्यवाही को प्रभावित किया, जिससे उसे कुछ समय के लिए रोकना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों का बयान

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह घटना अप्रत्याशित थी। कल्याण बनर्जी ने अचानक गुस्से में पानी की बोतल उठा ली और उसे मेज पर पटक दिया। बोतल के टुकड़े उनके हाथ में लग गए, जिससे वह घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उनकी मदद की और उन्हें अस्पताल पहुंचाया। इस घटना के बाद सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं।

झड़प की असली वजह

सूत्रों के मुताबिक, वक्फ बिल के कुछ प्रावधानों को लेकर दोनों नेताओं के बीच मतभेद थे। अभिजीत गांगोपाध्याय और कल्याण बनर्जी के बीच इसी मुद्दे पर तीखी बहस हुई, जिसके चलते यह झड़प हुई। बिल पर सहमति न बन पाने के कारण तनाव इतना बढ़ गया कि यह हाथापाई तक जा पहुंचा।

इलाज के बाद लौटे बनर्जी

इलाज के बाद कल्याण बनर्जी ने बैठक में लौटने की इच्छा जताई, लेकिन डॉक्टरों और सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी। घटना के बाद दोनों पक्षों ने इस पर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की, हालांकि बैठक में मौजूद अन्य नेताओं ने इस घटना पर नाराजगी जताई।

बैठक की कार्यवाही फिर से हुई

थोड़े समय बाद बैठक की कार्यवाही दोबारा शुरू की गई, लेकिन दोनों पक्षों के बीच तनाव बना रहा। इस घटना के बाद से सुरक्षा के अतिरिक्त इंतजाम किए गए हैं ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

30 फ्लाइट्स को फिर बम धमकी

नई दिल्ली,22 अक्टूबर 2024(ए)। पिछले 8 दिनों में 120 से ज्यादा विमानों को बम धमकी मिलने का सिलसिला थम नहीं रहा है। सोमवार देर रात एक बार फिर 30 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई, जिसमें इंडिगो, विस्तारा और एअर इंडिया की डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स शामिल थीं। इन घटनाओं से विमानन क्षेत्र में हलचल मची हुई है, और यात्रियों के बीच चिंता का माहौल है।

इंडिगो और विस्तारा की उड़ानों को मिला अलर्ट

इंडिगो के प्रवक्ता ने जानकारी दी कि उसकी चार फ्लाइट्स को सुरक्षा अलर्ट मिला, जिसमें मंगलुरु से मुंबई जा रही 6 ई164, अहमदाबाद से जेद्दा की 6ई 75, हैदराबाद से जेद्दा की 6ई67, और लखनऊ से पुणे की 6ई 118 शामिल हैं। विस्तारा और एअर इंडिया ने भी पुष्टि की कि उन्हें सोशल मीडिया पर धमकी मिली थी, और इस पर तुरंत कार्रवाई करते हुए सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया गया।

सरकार की प्रतिक्रिया और सख्त कानून की तैयारी

केंद्रीय उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि भले ही ये धमकियां फर्जी हों, लेकिन इन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने कहा कि सरकार विमानन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है, और इसमें धमकी देने वालों को 'नो फ्लाई लिस्ट' में डालने का प्रावधान भी शामिल हो सकता है। इसके अलावा, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो इस मामले पर गृह मंत्रालय से लगातार संपर्क में है।

देश की संक्षिप्त खबरें

28 लाख दीपों से बनेगा नया विश्व रिकॉर्ड,घर बैठे जलाएं एक दीया श्री राम के नाम

अयोध्या,22 अक्टूबर 2024 (ए)। अयोध्या में इस साल का दीपोत्सव 2024 बेहद खास होने वाला है, जहां 28 लाख दीप जलाकर नया विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। यह आयोजन अयोध्या के राम की पैड़ी समेत 55 घाटों पर किया जाएगा, जहां 25 लाख दीप जलाने का लक्ष्य है। यह पिछली बार के रिकॉर्ड (22 लाख 23 हजार दीप) को तोड़ने का प्रयास है। सरयू तट पर होने वाली महाआरती की रिहर्सल 28 और 29 अक्टूबर को की जाएगी, जबकि 30 अक्टूबर को भव्य महाआरती के साथ दीपोत्सव मनाया जाएगा। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के नोडल अधिकारी प्रो. एसएस मिश्रा ने बताया कि 24 अक्टूबर से घाटों पर सामग्री पहुंचाई जाएगी और 25 अक्टूबर से स्वयंसेवकों द्वारा दीये लगाने का काम शुरू होगा।

इस साल उत्तर प्रदेश सरकार ने दूर-दूर बैठे भक्तों को भी इस भव्य आयोजन से जोड़ने का एक खास तरीका निकाला है। अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा एक दीया भगवान श्री राम के नाम योजना शुरू की गई है, जिसमें भक्त ऑनलाइन दीप जला सकते हैं। यह सुविधा 30 अक्टूबर को रामलला के अनावरण के बाद आयोजित होने वाले दीपोत्सव में शामिल होने का मौका देगी।

मंदिरों के लाउडस्पीकर से होता है ध्वनि प्रदूषण

आईएएस शैलबाला के ट्वीट पर बवाल; सपोर्ट में उतरी कांग्रेस

भोपाल,22 अक्टूबर 2024(ए)। मध्य प्रदेश में इन दिनों मंदिरों पर बजने वाले लाउडस्पीकर लेकर चर्चा गरमा गई है। प्रदेश की चर्चित आईएएसअधिकारी शैलबाला मार्टिन द्वारा इसे लेकर एक्स पर की गई पोस्ट के बाद विवाद खड़ा हो गया है। शैलबाला 2009 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की आईएएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वह लोक प्रशासन विभाग यानी जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट में एडिशनल सेक्रेटरी के पद पर तैनात हैं। बीते रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मंदिरों और मस्जिदों दोनों के लाउडस्पीकरों के उपयोग पर सवाल उठाए, जिसके बाद वह चर्चा में हैं। हिंदू संगठनों ने बयान का विरोध किया है और प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है तो वहीं कांग्रेस ने इसे वाजिब सवाल बताया है।

झारखंड बीजेपी में मची है भगदड़

» कई नेताओं ने छोड़ी पार्टी...

» क्या परिवारवाद है असली वजह?

रांची,22 अक्टूबर 2024 (ए)। झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही सभी राजनीतिक दल अपने उम्मीदवारों की सूची तैयार कर रहे हैं। इस बीच, बीजेपी ने 66 उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें कई सिटिंग विधायकों के साथ-साथ कुछ नए चेहरों को भी जगह दी गई है। हालांकि, बीजेपी की सूची में परिवारवाद का मुद्दा जोर पकड़ रहा है, क्योंकि कई प्रत्याशी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदार हैं।

परिवारवाद का दबदबा?

बीजेपी की सूची में 8 से 10 उम्मीदवार ऐसे हैं जो किसी न किसी पार्टी नेता के परिवार से जुड़े हुए हैं। उदाहरण के तौर पर, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहू पूर्णिमा दास को जमशेदपुर पूर्वी से उम्मीदवार बनाया गया है। इसी तरह, पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बेटे बाबूलाल सोरेन को घाटशिला से टिकट मिला है। इस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी पर परिवारवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है।

कई बड़े नेताओं के परिवारों को मिला टिकट

बीजेपी की सूची में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा को पोटका विधानसभा से टिकट दिया गया है। इसके अलावा, मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा को जगन्नाथपुर से प्रत्याशी बनाया गया है। आजसू पार्टी के सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के भाई रोशन लाल चौधरी को बड़कागांव से, जबकि धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो के भाई शत्रुघ्न महतो को बाघमारा से उम्मीदवार बनाया गया है।

जेएमएम ने लगाए आरोप

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि पार्टी की सूची में शामिल आधे उम्मीदवार दूसरे दलों से आए हुए नेता हैं। झमुमो का कहना है कि बीजेपी अपने ही नेताओं पर भरोसा नहीं कर रही है और बाहर से आए लोगों को टिकट दे रही है।

लिस्ट जारी होते ही भगदड़ शुरू

बीजेपी की सूची जारी होते ही पार्टी में नाराजगी देखने को मिल रही है। रघुवर दास सरकार में मंत्री रहीं लुईस मरांडी ने पार्टी छोड़कर जेएमएम की सदस्यता ले ली। दुमका से टिकट न मिलने के कारण वह नाराज थीं, जबकि पार्टी उन्हें बरहेट से लड़ाना चाहती थी। इसी तरह, जमुआ के विधायक केदार हाजरा ने भी बीजेपी छोड़कर जेएमएम का दामन थाम लिया।

नेताओं की नाराजगी बढ़ी

बीजेपी छोड़कर जेएमएम में शामिल होने वाले अन्य नेताओं में बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल सारंगी, सरायकेला के गणेश महली, और पूर्व विधायक लक्ष्मण टुडू शामिल हैं। इसके अलावा, बीजेपी नेता बास्को बेसरा ने भी पार्टी छोड़ दी और जेएमएम से जुड़ गए।

एक करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपये लॉरेंस बिश्नोई के एनकाउंटर पर करणी सेना देगी इनाम

नई दिल्ली,22 अक्टूबर 2024(ए)। लॉरेंस बिश्नोई को जान से मारने की धमकी दी गई है। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने इस संदर्भ में एक बड़ा बयान दिया है, जिसमें उन्होंने बिश्नोई का एनकाउंटर करने वाले पुलिसकर्मी के लिए 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपये का इनाम घोषित किया है। राजशेखावत का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने कहा, हमें यह स्पष्ट है कि हमारी धरोहर, परम आदरणीय अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या लॉरेंस बिश्नोई ने कराई थी। उन्होंने आगे कहा,जो पुलिसकर्मी लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करेगा, उसे करणी सेना की तरफ से इनाम मिलेगा। साथ ही, उस बहादुर पुलिसकर्मी के परिवार की सुरक्षा और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जिम्मा भी हमारी संस्था उठाएगी।

बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी ली

हाल ही में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी भी बिश्नोई गैंग ने ली है। गैंग से जुड़े एक व्यक्ति ने सोशल मीडिया पर लिखा कि जो भी सलमान खान के साथ खड़ा होगा, उसे गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में बम फिलिंग के दौरान बड़ा विस्फोट

दो कर्मचारियों की मौत, 10 से अधिक घायल

जबलपुर,22 अक्टूबर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश के जबलपुर से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। मंगलवार, 22 अक्टूबर को ऑर्डिनेंस फैक्ट्री खमरिया में हुए भीषण विस्फोट में दो कर्मचारियों की जान चली गई, जबकि 10 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। इनमें से दो की हालत नाजुक बनी हुई है और सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फैक्ट्री प्रबंधन ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी है। यह ब्लास्ट फैक्ट्री के एफ-6 सेक्शन में स्थित बिल्डिंग नंबर 200 में हुआ।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंदौर को 5 वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार से किया सम्मानित

इंदौर,22 अक्टूबर 2024(ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा 5वें राष्ट्रीय जल पुरस्कार से पश्चिम जोन के अंतर्गत इंदौर को सर्वश्रेष्ठ जिले के तौर पर पुरस्कृत करने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस उपलब्धि के लिए समस्त प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा है कि मध्यप्रदेश पानी की एक-एक बूंद के उचित उपयोग एवं संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और जल-संरक्षण की दिशा में निरंतर अपनी भूमिका का निर्वाह कर रहा है। आने वाली पीढ़ी के लिए अपनी नैतिक जिम्मेदारी को भली-भाँति समझते हुए हमने प्रदेश में जल-संरचनाओं का जाल बिछाया है, पुरानी जल-संरचनाओं का नवीनीकरण किया है और सिंचाई क्षमता को बढ़ाने का लगातार प्रयत्न किया जा रहा है।

मोदी ने अमित शाह को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली,22 अक्टूबर 2024(ए)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आज अपना 60वां जन्मदिन मना रहे हैं। उनका जन्म 22 अक्तूबर 1964 को हुआ था। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। पीएम मोदी ने सरकार के साथ ही बीजेपी के संगठन में उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें एक मेहनती नेता बताया। अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

योगी,जेपी नड्डा और धर्मेंद्र प्रधान ने दी बधाई

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमित शाह को फोन पर जन्मदिवस की शुभकामनाएं दी। साथ ही उन्होंने एक्स पर उन्हें बधाई देते हुए लिखा है, अनुशासन और कर्मठता के जीवंत प्रतीक, करोड़ों कार्यकर्ताओं के प्रेरणास्त्रोत, सहकार से समृद्धि के भाव को निरंतर चरितार्थ कर रहे लोकप्रिय जननेता माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! इनके अलावा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र

प्रधान और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित अन्य नेताओं ने भी शाह को जन्मदिन की बधाई दी। नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय श्री अमित शाह को उनके जन्मदिवस पर हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं देता हूँ। राष्ट्र के प्रति आपका परिश्रम, समर्पण और संगठन कुशलता हम सभी कोटिशः भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणाश्रोत है। देश के गृहमंत्री के रूप में राष्ट्रीय और आंतरिक सुरक्षा में आपका उल्लेखनीय योगदान अविस्मरणीय है। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ व यशस्वी जीवन की कामना करता हूँ।

कोलकाता रेप कांड पीड़िता के पिता ने अमित शाह से मांगी मदद

कोलकाता,22 अक्टूबर 2024 (ए)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुई दुष्कर्म और हत्या की घटना से आहत पीड़िता के पिता ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात का अनुरोध किया है। उन्होंने एक पत्र में कहा है कि वह इस मामले में न्याय दिलाने के लिए मंत्री जी से मार्गदर्शन चाहते हैं। पीड़ित पिता ने पत्र में लिखा, हमारी बेटी के साथ जो हुआ है, उससे हम मानसिक रूप से बहुत टूट गए हैं। हम असहाय महसूस कर

रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी पत्नी के साथ मिलकर मंत्री जी से बात करना चाहते हैं और इस मामले के कुछ पहलुओं पर चर्चा करना चाहते हैं। इस घटना के बाद पूरे पश्चिम बंगाल में हंगामा मचा हुआ है। राज्य के जूनियर डॉक्टरों ने इस घटना के विरोध में हड़ताल पर चले गए थे। इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है। पीड़िता की मां ने भी कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमित शाह उन्हें समय देंगे। उन्होंने कहा, मैं उन्हें उस मानसिक पीड़ा के बारे में बताऊंगी जो हम अपनी बेटी को अबतक न्याय नहीं मिलने की वजह से महसूस कर रहे हैं।

बारिश से इमारत गिरी, 17 से अधिक लोग मलबे में दबे,3 की मौत

बेंगलुरु,22 अक्टूबर 2024(ए)। कर्नाटक में लगातार हो रही बारिश के कारण बेंगलुरु के हेनूर के पास बाबूसबपाल्या में एक निर्माणाधीन इमारत ढह गई। इस हादसे में 20 से अधिक मजदूर मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन और आपदा राहत दल मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। फिलहाल, तीन मजदूरों को मलबे से बाहर निकाल लिया गया है, जिनमें से तीन की मौत हो गई है। अन्य घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे में अभी भी 17 से अधिक लोगों के फंसे होने की आशंका है।

संपादकीय

एक मौजूं सवाल बन गया

एक तकनीकी आधार पर मुख्यमंत्री को उनके आवास से बेदखल कर दिया गया है। क्या किसी केंद्र शासित प्रदेश में भी बहुमत से निर्वाचित पार्टी के विधायक दल नेता के साथ ऐसा बर्ताव लोकतांत्रिक मान्यता और मर्यादा के अनुरूप है?मान्यता है कि लोकतंत्र में नेताओं की हैसियत मतदाता बनाते हैं। जो नेता मतदाताओं को लुभाने में जितना कामयाब हो, उसकी हैसियत उतनी बड़ी होती है। मनोनीत पदाधिकारियों से अपेक्षा होती है कि वे निर्वाचित नेताओं का सम्मान करते हुए अपने कर्तव्य का पालन करें। मगर भारत में, इस दौर में आकर यह मान्यता सिर के बल खड़ी कर दी गई है। बल का इस्तेमाल करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के घरेलू सामान को उस आवास से बाहर कर दिया गया, जिसके बारे में आम धारणा है कि वह मुख्यमंत्री निवास है। दिल्लीवासियों को अब पता चला है कि दिल्ली में कोई स्थायी मुख्यमंत्री आवास नहीं है।मुख्यमंत्री कहां रहेंगे, यह इस पर निर्भर करता है कि लेफ्टिनेंट गवर्नर उन्हें कौन-सा निवास आवंटित करते हैं। नवरात्र शुरू होते ही पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपना सरकारी आवास खाली कर दिया। नई मुख्यमंत्री आतिशी अपने सामान के साथ वहां रहने चली गईं। अब बताया गया है कि एलजी ने उन्हें ये मकान आवंटित नहीं किया था। इसलिए उनका प्रवेश अवैध था। अब संभव है कि एलजी वही मकान आतिशी को आवंटित कर दें। तब वे वहां रह सकेंगी (अन्यथा जो मकान आवंटित होगा, वहां उन्हें रहना होगा)। इस तकनीकी आधार पर मुख्यमंत्री को उस मकान से बेदखल कर दिया गया है। कहा जाएगा कि दिल्ली की विशेष परिस्थिति है। यह पूर्ण राज्य नहीं है।मगर क्या किसी केंद्र शासित प्रदेश में भी विशाल बहुमत से निर्वाचित पार्टी के विधायक दल नेता के साथ तकनीकी आधार पर ऐसा बर्ताव लोकतांत्रिक मान्यता और मर्यादा के अनुरूप है? जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री बनने के साथ उमर अब्दुल्ला को इस घटना में अपना भविष्य जरूर नजर आया होगा। आखिर केंद्र ने नए प्रावधानों के साथ केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार की हैसियत दिल्ली सरकार जैसी ही बना दी है। अब चूंकि यह पैटर्न बन गया है, तो कभी किसी राज्य और वहां की निर्वाचित सरकार को ऐसी हैसियत में पहुंचाने की आशंका ठोस रूप से मौजूद है। इस हाल में भारतीय लोकतंत्र एवं संघवाद को लेकर क्या समझ बनाई जानी चाहिए, बेशक यह आज एक मौजूं सवाल बन गया है।

शिक्षा,संस्कार और साक्षरता ये तीनों बिंदू विकसित देश की है आधारशिला

संजीव ठाकुर,
चौबे कॉलोनी,
रायपुर छत्तीसगढ़

» तकनीकी शिक्षा अति महत्वपूर्ण...

शिक्षा और संस्कार और साक्षरता किसी भी विकसित राष्ट्र की पृष्ठभूमि हो सकते हैं। एक शिक्षित राष्ट्र एक महान राष्ट्र बन सकता है।सुसंस्कृत देश को एक सभ्य शांत और शालीन राष्ट्र माना जाता है जो वैश्विक शांति स्थापना का पक्षधर होने की दिशा में निरंतर प्रगतिशील होता है। भारत देश की गिनती ऐसे ही सभ्य संस्कारी राष्ट्र के रूप में होती है और ऐसी भावना तथा संकल्पनाओं को हमने कई सोपानों में प्रमाणित भी किया है। सबसे पहले हमें शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को पहचानना होगा। शिक्षा जीवन के महत्व, संकल्पना को निरूपित करती है वहीं साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन का अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती है। शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प है जिसके अंतर्गत पढ़ना लिखना समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक है। साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य मानवीय जीवन की कल्पना उसे इसका कोई संबंध नहीं रह जाता है। साक्षरता सदैव रोजगार मूलक स्त्रियों से जुड़ी होती है। जबकि शिक्षा सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता है। शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती है। ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा है। सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है. वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में है। ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाएगा शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है।जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं है। वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण है। महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया है। परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता हैद्य पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता है पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी, साहस की भावना को परिष्कृत करती है। ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता है। अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं,कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार,लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है। पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है। इन्हीं कारणों से समाज मूल्य तथा संस्कृति के विकास को दरकिनार कर रोजगार मूलक साक्षरता को ही आज वरीयता देता है। और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फर्जीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु को एक अच्छा इंसान बना सकें।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

क्या भाजपा जेएमएम को हरा पाएगी

भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में तमाम अनुमानों के उलट कांग्रेस को हरा दिया। लेकिन जम्मू कश्मीर में वह नेशनल कॉन्फ्रेंस को नहीं हरा पाई। हालांकि वहां भी जम्मू क्षेत्र में, जहां कांग्रेस ज्यादा सीटों पर लड़ रही थी वहां कांग्रेस को हरा दिया। इससे मोटे तौर पर इस निष्कर्ष की पुष्टि होती है कि भाजपा, जहां कांग्रेस को बड़ी सहजता से हरा देती है वहीं प्रादेशिक पार्टियों के साथ उसका मुकाबला हमेशा कांटे का बन जाता है। तभी यह सवाल है कि क्या वह झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा को हरा पाएगी?पिछले चुनाव में यानी 2019 में आमने सामने की लड़ाई में जेएमएम ने भाजपा को निर्णायक रूप से हराया था। उसके बाद पांच साल तक भाजपा ऐसे पस्त पड़ी रही कि एक बार भी नहीं लगा कि वह जेएमएम का मुकाबला कर पाएगी। राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी के नाते भाजपा ने कोई जन आंदोलन नहीं खड़ा किया और न किसी भी मुद्दे पर राज्य सरकार को परेशान कर पाई। इसके उलट राज्य सरकार ने जो चाहा सो किया। यहां तक कि करीब चार साल तक भाजपा विधायक दल के नेता रहे बाबूलाल मरांडी को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं दिया। अंत में थक हार कर भाजपा ने मरांडी को हटा कर प्रदेश अध्यक्ष बनाया और अमर बाउरी को विधायक दल का नेता बनाया।भाजपा के नेता पूरे पांच साल बतौर विपक्ष जनता के मुद्दे उठाने और सरकार को जवाबदेह बनाने की बजाय हेमंत सोरेन की सरकार गिराने के प्रयास में लगे रहे। भाजपा ने जितने प्रयास किए और जितनी बार उसे नाकामी मिले, उससे हेमंत की स्थिति और मजबूत हुई। अंत में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी ने आदिवासी वोटों में भाजपा को अछूत बना दिया। लोकसभा के चुनाव नतीजों में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। भाजपा राज्य की आदिवासी आरक्षित सभी पांच सीटों पर हार गई। आदिवासी बहुल झारखंड से उसका एक भी आदिवासी सांसद नहीं है।सो, पांच साल के घटनाक्रम का लब्बोलुआब यह था कि भाजपा कहीं लड़ाई में नहीं है और जेएमएम का गठबंधन बहुत आसानी से इस बार भी विधानसभा चुनाव जीत जाएगा। लेकिन जून में हेमंत सोरेन के जेल से निकलने, चम्पई सोरेन को मुख्यमंत्री पद से हटाने, चम्पई के पार्टी छोडने और भाजपा के चुनाव प्रभारियों और अन्य नेताओं की ओर से रोटी, बेटी और माटी' का भावनात्मक मुद्दा बनाने से राज्य की राजनीतिक तस्वीर बदल गई है।सबसे पहले आंकड़ों की नजर से देखें तो भारतीय जनता पार्टी का गठबंधन यानी एनडीए जेएमएम गठबंधन यानी इंडिया' से काफी आगे है। हालांकि यह जरूरी नहीं है कि इस बार चुनाव में भी आंकड़े ऐसे ही रहें लेकिन इनसे एक आरंभिक तस्वीर बनती है। इस साल के लोकसभा चुनाव में एनडीए को तीन सीटों का नुकसान हुआ और उसका वोट करीब नौ फीसदी कम हुआ। फिर भी उसको 47 फीसदी से कुछ ज्यादा वोट मिला, जबकि जेएमएम गठबंधन को 39 फीसदी वोट मिला। यानी दोनों के वोट में आठ फीसदी का अंतर रहा। जहां तक 2019 के विधानसभा चुनाव की बात है तो उस समय भाजपा को 33.37 फीसदी वोट मिले थे, जबकि जेएमएम गठबंधन को 35.35 फीसदी वोट मिले थे।यानी जेएमएम दो फीसदी वोट से आगे थी। परंतु उस चुनाव में बाबूलाल मरांडी की पार्टी को 5.45 फीसदी और सुदेश महतो की पार्टी को 8.10 फीसदी वोट मिला था। अगर इन दोनों का वोट भाजपा के साथ जोड़ें तो वह 48 फीसदी से ऊपर चला जाता है। लोकसभा चुनाव में यही हुआ। ये दोनों नेता भाजपा के साथ आ गए तो भाजपा को 47 फीसदी से ज्यादा वोट मिल गए। सो, सिर्फ आंकड़ों के सरल गणित से देखें तो बाबूलाल मरांडी के अपनी पार्टी का विलय भाजपा में कर देने और सुदेश महतो के गठबंधन में आ जाने से एनडीए को बढ़त है। लेकिन राजनीति अंकगणित नहीं है। वह कैलकुलस की तरह है, जिसमें कई फैक्टर्स और वैरिएबल्स होते हैं।आंकड़ों की गणित को विफल करने के लिए हेमंत सोरेन ने सरकार में होने का फायदा उठाया। उन्होंने अलग अलग समूहों को प्रभावित करने वाले अनेक लोक लुभावन कार्यक्रम शुरू किए। हेमंत सरकार ने ऐन चुनाव से पहले मइया सम्मान योजना शुरू की और महिलाओं को एक हजार रुपए महीना देना शुरू किया। चुनाव की घोषणा से एक दिन पहले सोमवार, 14 अक्टूबर को इस राशि को बढ़ा कर ढाई हजार कर देने का फैसला हुआ। कहा गया है कि दिसंबर से सरकार हर महिला को ढाई हजार रुपए महीना देगी। उन्होंने इससे पहले राज्य के वकीलों को 14 हजार रुपए पेंशन देने की योजना को मंजूरी दी।निजी स्कूलों के छात्रों को भी सावित्री बाई फूले योजना का लाभ देना शुरू किया। पूर्व मुख्यमंत्रियों, पूर्व मंत्रियों और दर्जा प्राप्त मंत्रियों के निजी सहायकों का वेतन बढ़ाया। सहायक पुलिसकर्मियों का मानदेय बढ़ाया, उनके भत्तों में बढ़ोतरी की और बीमा राशि में बढ़ोतरी की। जल जीवन मिशन के तहत काम करने वाले जल सहिया लोगों के वेतन को दोगुना कर दिया। इस तरह के अनगिनत लोक लुभावन फैसले हैं, जिनके जरिए हेमंत सरकार ने अलग अलग समूहों को साधने का प्रयास किया।

-अजीत द्विवेदी-

मध्य-भारत के फेफड़े में सुराखों का दौर

घटती-घटना
पुखराज प्राग
रायपुर छत्तीसगढ़

तुम्हे हमसे मोहब्बत नहीं, तो कोई बात नहीं। मगर किसी और से होगी तो बात ठीक भी नहीं। कुछ हालातों के दौर इसी तरह के हैं। राजनीति के अखाड़े में कभी हसदेव से मोहब्बत की कसमें खाने वालों के पाला बदलते देर कहाँ? कभी इस से दल से, कभी उस दल से कसमें,वादे प्यार वफा के तराने निकले,बस नहीं बदला वो है हसदेव अरण्य के क्षरण का दौर, जो आज भी जारी है। आईये हसदेव अरण्य को समझने का प्रयास करते हैं।

हसदेव अरण्य, मध्य भारत में वन के सबसे बड़े सन्निहित क्षेत्रों में से एक है, जो छत्तीसगढ़ राज्य में स्थित है। एक विशाल क्षेत्र को कवर करते हुए, यह वन क्षेत्र एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक हॉटस्पॉट है, जो स्वदेशी समुदायों के लिए एक प्रमुख पर्यावरणीय बफर और सांस्कृतिक भंडार के रूप में कार्य करता है। यह क्षेत्र अपनी समृद्ध जैव विविधता, घने वन क्षेत्र और महत्वपूर्ण कोयला भंडार के लिए जाना जाता है, जो इसे संरक्षण प्रयासों और औद्योगिक हितों दोनों के लिए एक केंद्र बिंदु बनाता है। हाल के वर्षों में, खनन परियोजनाओं के कारण हसदेव अरण्य का भविष्य खतरे में आ गया है, जिससे पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन पर राष्ट्रीय बहस बढ़ रही है।

हसदेव अरण्य मध्य भारतीय वन क्षेत्र का एक हिस्सा है जो पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह विविध वनस्पतियों और जीवों का घर है, जिनमें से कई स्थानिक या लुप्तप्राय हैं। यह जंगल हाथियों, तेंदुओं, भालू और कई पक्षी प्रजातियों सहित कई जानवरों की प्रजातियों का समर्थन करता है, जो इसे वन्यजीव संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण निवास स्थान बनाता है। इस क्षेत्र के जंगल कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं, जो वातावरण से बड़ी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने में मदद करता है। हसदेव अरण्य क्षेत्र हसदेव-बांगो जलग्रहण क्षेत्र का एक अभिन्न अंग भी है, जो हसदेव नदी को पोषण देता है। यह नदी प्रणाली हसदेव बांगो बांध के माध्यम से सिंचाई, जीविका और बिजली उत्पादन के लिए पानी प्रदान करती है, जिससे यह जंगल क्षेत्र की जल सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हो जाता है।

हसदेव अरण्य की समृद्ध जैव विविधता इसे भारत की प्राकृतिक विरासत का एक अनिवार्य हिस्सा बनाती है। इस क्षेत्र के घने जंगल साल, महुआ, तेंदू और बांस जैसी विभिन्न वृक्ष प्रजातियों के साथ एक जटिल पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करते हैं। ये प्रजातियाँ न केवल पारिस्थितिक लाभ प्रदान करती हैं, बल्कि स्थानीय आबादी के लिए आर्थिक रूप से भी मूल्यवान हैं। महुआ के फूल और तेंदू के पत्ते विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे स्थानीय उद्योगों और सांस्कृतिक प्रथाओं का आधार बनते हैं। वनस्पति जीवन के अलावा, जंगल में बाघ और तेंदुए सहित कई तरह के वन्यजीव रहते हैं, जो शीर्ष शिकारी हैं और पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह क्षेत्र एक महत्वपूर्ण हाथी गलियारे का भी हिस्सा है, जो राज्यों में हाथियों के झुंडों की आवाजाही की अनुमति देता है। खनन और वनों की कटाई के माध्यम से इस जंगल को खंडित करने से वन्यजीवों के आवास बाधित हो सकते हैं, जिससे मानव-पशु संघर्ष और जैव विविधता का नुकसान बढ़ सकता है।

हसदेव अरण्य न केवल एक जंगल है, बल्कि गोंड और बैगा सहित स्वदेशी आदिवासी समुदायों के लिए एक सांस्कृतिक केंद्र भी है, जो पीढ़ियों से इस क्षेत्र में रहते हैं। इन आदिवासी समुदायों का जंगल के साथ गहरा सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध है, जो उनके जीवन के तरीके का केंद्र है। उनकी आजीविका वन संसाधनों से निकटता से जुड़ी हुई है, क्योंकि वे फलों, फूलों और औषधीय जड़ी-बूटियों जैसे गैर-लकड़ी वन उत्पादों पर निर्भर हैं। इन समुदायों के लिए, जंगल केवल एक संसाधन नहीं है, बल्कि एक पवित्र स्थान है जो उनके सामाजिक रीति-रिवाजों, त्योहारों और अनुष्ठानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जंगल के खत्म होने या नष्ट होने से उनकी सांस्कृतिक प्रथाएँ और परंपराएँ बाधित होंगी, जिससे उनकी विरासत और पहचान को अपूरणीय क्षति होगी। इस प्रकार जंगल की रक्षा करना केवल एक पर्यावरणीय मुद्दा नहीं है, बल्कि स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों और जीवन शैली को संरक्षित करने का मामला है।

हसदेव अरण्य के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक कोयला खनन का दबाव है। यह क्षेत्र कोयले के भंडार से समृद्ध है, और सरकार ने निष्कर्षण के लिए क्षेत्र में खनन ब्लॉक आवंटित किए हैं। हसदेव अरण्य में कोयला खनन ने संभावित पर्यावरणीय और सामाजिक लागतों के कारण महत्वपूर्ण विवाद को जन्म दिया है। खनन से वनों की कटाई, जैव विविधता का नुकसान और जल प्रणालियों में व्यवधान होता है। इसके अतिरिक्त,स्थानीय समुदायों का विस्थापन और उनके प्राकृतिक आवास का विनाश प्रमुख चिंता का विषय बन गया है। कई कोयला खनन परियोजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं, और जबकि वे रोजगार सृजन और ऊर्जा उत्पादन जैसे आर्थिक लाभ का वादा करती हैं, दीर्घकालिक पर्यावरणीय लागत तत्काल लाभ से कहीं अधिक हो सकती है। खनन के कारण मिट्टी का क्षरण, जल प्रदूषण और आवास का नुकसान होता है, जिसका पारिस्थितिकी तंत्र पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। इसके अलावा, विस्थापन और स्वदेशी आबादी के लिए आजीविका के नुकसान सहित सामाजिक लागत, कमजोर समुदायों की कीमत पर विकास की खोज के बारे में नैतिक प्रश्न उठाती है।

हसदेव अरण्य भारत में बड़े पर्यावरण संरक्षण आंदोलन का प्रतीक बन गया है। वन में खनन अधिकारों के आवंटन को लेकर कानूनी लड़ाई लड़ी गई है, कार्यकर्ताओं और पर्यावरणविदों का तर्क है कि हसदेव अरण्य में खनन पर्यावरण संरक्षण कानूनों और दिशानिर्देशों का उल्लंघन करेगा। 2006 का वन अधिकार अधिनियम स्वदेशी समुदायों को वन भूमि का अधिकार देता है, और कई लोग तर्क देते हैं कि खनन के लिए दबाव से इन अधिकारों को कम किया जा रहा है।

स्थानीय आदिवासी समूहों के साथ-साथ पर्यावरण संगठनों ने हसदेव वनों को बचाने के लिए अभियान शुरू किए हैं। ये अभियान न केवल पारिस्थितिक कारणों से बल्कि भूमि से लंबे समय से जुड़े स्वदेशी लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए भी वन को संरक्षित करने के महत्व पर जोर देते हैं। हसदेव अरण्य के लिए लड़ाई भारत में आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाती है।

हसदेव अरण्य एक महत्वपूर्ण चौराहे पर खड़ा है, जो पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है। मध्य भारत के लिए इसका महत्व अतिरंजित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण पारिस्थितिक हॉटस्पॉट, स्वदेशी समुदायों के लिए एक सांस्कृतिक भंडार और पानी और प्राकृतिक संसाधनों का एक प्रमुख स्रोत है। कोयला खनन और वनों की कटाई से उत्पन्न खतरे विकास के लिए एक विचारशील, टिकाऊ दृष्टिकोण की आवश्यकता को उजागर करते हैं।

हसदेव अरण्य को संरक्षित करना केवल वन की रक्षा करने के बारे में नहीं है - यह जैव विविधता को बनाए रखने, स्वदेशी आजीविका का समर्थन करने और यह सुनिश्चित करने के बारे में है कि आने वाली पीढ़ियों को एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र विरासत में मिले। वन का महत्व स्थानीय चिंताओं से परे है, क्योंकि यह भारत और दुनिया के व्यापक पर्यावरणीय स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका संरक्षण सुनिश्चित करना सभी के लिए अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कविता
वह प्रश्न क्या है ?

ओट्टेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

वह सवाल
सदा
इसे सुना जाएगा
लेकिन।।।।
उस प्रश्न के लिए
किसी ने
जवाब नहीं दिया
कोई इतिहास नहीं कारण।।।
यही सवाल है
इसका उत्तर है
कभी कभी
अक्सर
यही उत्तर है
सवाल यह है कि
वह प्रश्न क्या है?
यही आप पूछ रहे हैं
यदि आप कोई प्रश्न पूछते हैं
कह नहीं सकते
यदि आप उत्तर देते हैं
मैं नहीं पूछ सकता ...

कविता
सरल हृदय छला जाता है

घटती-घटना
प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी (छत्तीसगढ़)

एक दिन बदल जाता है सच्चा मन भी
बार-2 दोष दो बदल जाता जीवन भी
बदलाव से सहजता ही चला जाता है
सरलता से युक्त मन ही छला जाता है
मानस के मति की अब कहनी क्या है
जीवन समर की आगे नियति क्या है
चंचल मन जो वक़्त पर बदल जाता है
सरलता से युक्त मन ही छला जाता है
जीवन बन गया क्या कठपुतली जैसा
आरम्भ क्या और इसका अंत ये कैसा
जो दूसरों के इशारे कैसे चला जाता है
सरलता से युक्त मन ही छला जाता है
छलते है लोग जब तक है आप सरल
छलाते हुये अक्सर पी लेते कटु गरल
खेला किसी के मन से खेला जाता है
सरलता से युक्त मन ही छला जाता है
सरल हृदय जब पत्थर जैसे बन जाता
सहजता सारी मानस से निकल जाता
अब उसे ही पत्थर दिल कहा जाता है
सरलता से युक्त मन ही छला जाता है
सच की राह मे चलने से डरते है लोग
आडम्बर और दिखावे मे उलझें लोग
सच नहीं झूठ के सहारे चला जाता है
सरलता से युक्त मन ही छला जाता है

लघु कथा
राम और कृष्ण ?

टीकेश्वर सिन्हा
गब्दीवाला
घोटिया-बालोद
छत्तीसगढ़

प्रिया श्वेता के कमरे में गयी। देखा, श्वेता खिन्न चेहरे लिये बिस्तर पर लेटी हुई थी। नजरे सिलिंग फैन पर थी। नजरे इतनी एकटक थी, मानो वह फैन की राऊँडिंग मूवमेंट गिन रही हो। मुस्कुराती हुई प्रिया बोली- क्यों...? क्या बात है श्वेता, क्या सोच रही हो ?
प्रिया के सवाल पर श्वेता मुस्कुरा दी। बोली-कुछ नहीं बुआ। बस ऐसे ही।
न..न..! कुछ तो बात जरूर है। आखिर मैं तेरी बुआ हूँ। इसी घर-परिवार की बेटी हूँ। तेरे बाप की बहन हूँ। बता ही डालो न।
प्रिया की बातों को श्वेता अधिक देर तक इधर-उधर न कर सकी।
बुआ। सब ठीक-ठाक है। सब कुछ अच्छा है। लड़के में भी कोई कमी नहीं है,बस काला है। कहते हुए श्वेता एकदम चुप हो गयी।
प्रिया अपनी हँसी रोकते हुए बोली- बस ! तो सुन। आँखों की पुतली काली होती है। होती है न ?
हाँ। होती है। श्वेता अपने बालों पर उंगलियाँ चलाने लगी।
बाल भी काले होते हैं न ? प्रिया की नजरें श्वेता के बालों पर थीं।
हाँ ! बिल्कुल !
कोयल भी न ?

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

CMYK

जर्जर सड़क से लोगों को हो रही तकलीफ,कांग्रेस ने किया चक्काजाम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

परिवहन विभाग के फिटनेश सेंटर के कारण सरगंवा-घंघरी-बकनाखुर्द मार्ग जर्जर हो चुका है। खस्ताहाल सडक़ के कारण उड़ रही धूल से लोग परेशान हैं। सडक़ की मरम्मत की मांग को लेकर मंगलवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता के नेतृत्व में सरगांवा में चक्काजाम किया। राकेश गुप्ता ने बताया कि सरगांवा से घंघरी होते बकनाखुर्द का मार्ग करीब साढे छह किमी लम्बा है। प्रधानमंत्री ग्राम सडक़ योजना के अन्तर्गत आने वाले इस मार्ग का नवीनीकरण वर्ष 2018 में विभाग ने किया है। इस ग्रामीण सडक़ की क्षमता आठ से बारह टन भार क्षमता वाले वाहनों की है। किंतु इस मार्ग में परिवहन विभाग को आटोमेशन फिटनेश परीक्षण केन्द्र स्थापित होने के बाद निरंतर क्षमता से अधिक भार के वाहनों के आवागमन का बोझ यह मार्ग नहीं झेल पाया और सडक़ बुरी तरह से जर्जर हो गया। यह मार्ग सरगवां, सकालो, घंघरी, बकनाखुर्द, नर्मदापारा, रुपपुर, कंचनपुर, अखोरा के ग्रामीण क्षेत्रों को अम्बिकापुर से जोड़ता है। सड़क के नीवीनीकरण को लेकर ग्रामीण लगातार विभागों के चक्कर काट रहे थे साथ ही स्थानीय विधायक से भी निवेदन कर रहे थे। किंतु कोई परिणाम न निकलता देख ग्रामीणों ने एकजुट हो कांग्रेस पार्टी को दखल देने का अनुरोध किया। ग्रामीणों के अनुरोध के उपरांत पार्टी ने मंगलवार को सरगांवा शिवमंदिर के पास अम्बिकापुर-प्रतापपुर मार्ग पर चक्काजाम कर इस मार्ग के नवीनीकरण हेतु प्रशासन का ध्यान

आकृष्ट कराया है। इस दौरान प्रदेश महामंत्री द्वितेन्द्र मिश्रा ने कहा कि पार्टी चक्काजाम जैसे आन्दोलनों को करने से बचना चाहती है। इससे आमजन को तकलीफ होती है। लेकिन जब सरकार सोयी हुई होती है तो उसे जगाने के लिये हमें ऐसे आन्दोलन कर जनता का सहयोग जनता के भले के लिये लेना पड़ता है। उन्होंने कहा है कि इस चक्काजाम के बाद अगर मार्ग की स्थिति को सुधारने में निरंतरता नहीं आयी तो उग्र आन्दोलन किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि न केवल यह मार्ग बल्कि सरगुजा से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग की स्थिति भी खराब है।

इस दौरान मो. इस्लाम, विनय शर्मा, अब्दुल अब्बस,संजय सिंह, हरभजन भामरा, अनिल सिंह, शैलेन्द्र सोनी, अनूप मेहता, आशीष वर्मा, नितिश चौरसिया, रजनीश सिंह, अविनाश कुमार, विकास गुप्ता, कृष्णा सिंह, देवेश प्रताप सिंह, विकास सिंह, गिरधारी सिंह, लालू यादव, परमेश्वर राजवाड़े, गुड्डू सिंह, मनोहर यादव, सरपंच मीना हरिना, विनोद ताम्रकार, राजेश यादव, विक्रम सोनपाकर, सतीश यादव, बुंदेला , ननकी सिंह, कृष्णा विश्वकर्मा, शिवर, सतीश राजवाड़े, खिर्मंन ,बिसुन दास, मुनेश्वर राजवाड़े, सीमा मानिकपुर, भारती, बिंदु ,संगीता, हरि, लोकनाथ सहित भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

एम्बुलेंस और शव वाहनों को जाने दिया गया

कांग्रेस ने बताया कि चक्काजाम प्रतीकात्मक था। इसका समय 12 बजे से 2 बजे तक था। चक्काजाम के दौरान मार्ग पर आने वाले एम्बुलेंस और शव वाहनों के साथ ही ड्युटी पर जाने वाले चिकित्सकों को आवागमन के लिये मार्ग दिया गया। चक्काजाम के दौरान मार्ग से गुजरने वाले 2 एम्बुलेंस, 1 शववाहन ड्युटी जा रहे 1 चिकित्सक को निर्बाध रुप से मार्ग उपलब्ध कराया गया।

सार्वजनिक स्थानों पर शराब का सेवन कर क्षोभ उत्पन्न करने वाले व्यक्तियों पर की गई सख्त कार्यवाही,03 आरोपी किये गए गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

» थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के विरुद्ध 36 (च) आबकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही

» मामले के आरोपियों कों प्रकरण मे गिरफ्तार कर की जा रही अग्रिम वैधानिक कार्यवाही

सरगुजा पुलिस द्वारा सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन कर आम नागरिकों मे क्षोभ उत्पन्न करने वाले आरोपियों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही कर धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम मे कल दिनांक कों थाना मणीपुर पुलिस टीम द्वारा सार्वजानिक स्थानों पर शराब का सेवन करने वाले व्यक्तियों पर कार्यवाही करते हुए 03 प्रकरण दर्ज कर कुल 03 आरोपियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही की गई हैं।

थाना मणीपुर पुलिस टीम कों दौरान पेट्रोलिंग सूचना प्राप्त हुई कि भिट्ठीकला बी.एम.फ़ूड. कम्पनी के पास आम जगह पर कुछ युवक शराब का सेवन कर विवाद कर रहे हैं, पुलिस टीम द्वारा मामले मे कार्यवाही करते हुए मौक़े से आरोपियों दबिश दी गई जिसमे 03 युवक आम जगह पर शराब का सेवन करते दिखे, एवं पुलिस टीम कों देखकर भागने का असफल प्रयास किये, युवकों को पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा अपना नाम (01) प्रदीप कुमार राजवाड़े आत्मज सोहर साय उम्र 25 वर्ष साकिन सत्तीपारा भैसामुंडा प्रतापपुर जिला सूरजपुर (02) ओम प्रकाश राजवाड़े आत्मज सुखसाय उम्र 22 वर्ष साकिन भिट्ठीकला थाना मणीपुर (03) ओम प्रकाश राजवाड़े साकिन अमर साय उम्र 22 वर्ष साकिन भिट्ठीकला थाना मणीपुर का होना बताया गया आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किये जाने पर अपराध घटित किया जाना स्वीकार किया गया, आरोपियों के विरुद्ध थाना मणीपुर मे 36(च) आबकारी एक्ट का कुल 03 प्रकरण दर्ज कर आरोपियों कों गिरफ्तार कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक दुर्गेश्वरी चौबे, सहायक उप निरीक्षक अनिल पाण्डेय, आरक्षक अतुल शर्मा, समीर तिर्की, सैनिक दिनेश यादव शामिल रहे।

सूने मकान के पीछे रोशनदान से घुसकर ढाई लाख रुपए नगदी व जेवरात चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शहर के सत्तिपारा स्थित बेचन कॉलोनी में पिछले एक सप्ताह से बंद घर के पीछे रोशनदान से घुसकर चोरों ने ढाई लाख रुपए नकदी व सोने चांदी का जेवारात पार कर दिया है। परिवार के सदस्य घर बंद कर अमने मूल निवास झारसुगुड़ा (ओड़िशा) गए था।

जानकारी के मुताबिक बेचन कॉलोनी में किराए में सब्जी बेचने का काम करने वाले दिनेश केशरी परिवार के साथ रहता है। मां की तबियत खराब होने के कारण वे सह परिवार झारसुगड़ा ओड़िशा गया था। एक सप्ताह से घर बंद था। सोमवार को रात 8 बजे दिनेश केशरी का लडक़ा घर पहुंचा, तो बाहर से ताला लगा था। ताला खोलने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला अंदर से सिटकिनी लगा हुआ था। किसी तरह धक्का देकर दरवाजे को खोला गया। अंदर जाने पर आलमारी खुला था और और सामान बिखरा पड़ा था। आलमारी में रखे ढाई लाख रुपए नकदी सहित सोने का कान, गला का जेवरात, चांदी का पायल, बिछिया नहीं था। रुपए किसानों के देने के लिए रखा था। कुल चोरी लगभग तीन लाख रुपए की बताई जा रही है। घटना की जानकारी रात में ही कोतवाली थाना में दी गई थी, पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। जहां चोरी की घटना हुई वहां दर्जनों किराएदार रहते हैं। किसी को भी चोरी की भनक नहीं लग पाई। अगल-बगल में रहने वाले किराएदारों का कहना है कि इसके पहले यहां कभी चोरी की वारदात नहीं हुई थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अम्बिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस के सामने कूदकर युवक ने दी जान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस ट्रेन के सामने कूदकर एक युवक ने आत्महत्या कर ली। उसके जेब से बस की टिकट मिली है। युवक की पहचान झारखंड के डालटेनगंज निवासी के रूप में हुई है। दरअसल सोमवार की सुबह अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से निकलकर ट्रेन जबलपुर के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन ने रफ्तार पकड़ी ही थी कि अचानक युवक उसके सामने कूद गया। सिर व शरीर के अन्य हिस्से में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

झारखंड के डालटेनगंज निवासी अंबर पटेल पिता बृजेश पटेल 31 वर्ष बलौदा बाजार स्थित सीमेंट फैक्टरी में कार्यरत था। उसकी लाश अंबिकापुर रेलवे स्टेशन से कुछ आगे रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। बताया जा रहा है कि युवक ने अंबिकापुर-जबलपुर ट्रेन के सामने सुबह करीब 6 बजे कूदकर जान दे दी।

सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और युवक के शव को बरामद कर गांधीनगर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। पुलिस को युवक के जेब से आईडी कार्ड मिला, जिसमें उसका नाम व पता लिखा हुआ था। पुलिस ने इस आधार पर उसके परिजनों को सूचना दे दी है।

शिनाख्त में रायपुर बस का मिला टिकट

पुलिस को मृत युवक के जेब में बस का टिकट मिला है। टिकट 17 अक्टूबर का है। टिकट गढ़वा से सिमगा, रायपुर तक का है। यह टिकट 3 लोगों का है। बताया जा रहा है कि युवक गढ़वा से सिमगा जाने निकला था, लेकिन यहां कैसे पहुंच गया, इसका पता फिलहाल नहीं चल सका है। इधर पुलिस ने मंगलवार को पीएम पश्चात उसका शव उसके परिजनों को सौंप दिया है।

गुजरात की एक ट्रस्ट के द्वारा श्रीकोट आश्रम में नये छात्रावास भवन का किया गया लोकार्पण

- संवाददाता -
कुसमी, 22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

विकासखंड अंतगर्त ग्राम श्रीकोट गहिरा गुरु जी के आश्रम को करीब 70 लाख की लागत का एक नये छात्रावास भवन बनकर मिला,सरगुजा सांसद चिंतामणि महराज के मुख्य आतिथ्य में रविवार को लोकार्पण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। गौरतलब है कि प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से मिली जानकारी के मुताबिक सनातन संत समाज आश्रम श्रीकोट में आचार्य विनोभा भावे के सर्वोदयी विचारों से प्रेरित होकर कर्मयोगी परिवार गुजरात सुरत के पुरुषार्थ से 309 सरस्वती धाम निर्माण अभियान के तहत मुख्य दाता केशु भाई हरिभाई गोटी, मातुश्री काशीबा हरिभाई गोटी चेरीटेबल ट्रस्ट सूरत गुजरात द्वारा नव निर्मित स्व0 बेल जी भाई कानजी भाई इटालिया बावडी कुमार नवीन छात्रावास का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात संत गहिरा गुरु की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर अतिथियों का स्वागत कर किया गया जहॉ पर संस्कृत विद्यालय एवं संस्कृत महाविद्यालय के छात्राओं के द्वारा स्वागत गीत, नृत्य की रंगारंग प्रस्तुती भी दी गई। कार्यक्रम में प्रविण भाई हरि भाई जासोलिया, केशव भाई, कानजी भाई, इटालिया सूरत गुजरात, ऋ षेश्वर सिंह महराज अध्यक्ष सनातन संत समाज आश्रम श्रीकोट नूतन छात्रावास भवन के सहयोगी दाता परिवार गौरी वेन पोपटभाई इटालिया,रेखावेन केशवभाई इटालिया, मनीषावेन हीराभाई इटालिया, शोभावेन प्रेमजी भाई इटालिया ममतावेन भीम जी भाई इटालिया के साथ -साथ जनपद पंचायत अध्यक्ष कुसमी हुमंत सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल, मंडल उपाध्यक्ष अशोक सोनी,वरिष्ठ भाजपा नेता बालेश्वर नायक समाज सेवक हरिनाथ वर्मा व समाज के भक्त गण शिक्षक कर्मचारी,विद्यार्थी सरपंच सचिव और गांव के ग्रामिण जन लोकापर्ण कार्यक्रम में शामिल हुये।

घर पुताई कराने के बहाने ले जाकर दो नाबालिग बहनों से छेड़छाड़ व दुष्कर्म की कोशिश

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

घर की पुताई कराने के लिए दो नाबालिग बहनों को अपने घर ले जाकर उनके साथ जबरन छेड़छाड़ व शारीरिक संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। इस दौरान युवक ने रुपए व मोबाइल दिलाने का भी झांसा दिया। दोनों नाबालिग बहने किसी तरह युवक के चंगुल से भाग कर अपने घर पहुंचीं। डर के कारण दोनों घटना की जानकारी अपनी मां को एक सप्ताह बाद बताई। मां ने मामले की रिपोर्ट संबंधित थाना में दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार एक महिला अपनी दो नाबालिग बेटियों के साथ रहती है। पति की मौत हो चुकी है। 13 अक्टूबर को महिला घर में नहीं थी। केवल दोनों नाबालिग बेटियों थीं। इस दौरान उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डडगांव निवासी इरफान शेख उसके घर आया और दो नाबालिग बहनों को घर पुताई कराने के लिए अपने यहां ले गया। यहां पुताई करने के दौरान दोनों नाबालिग बहनों के साथ वह छेड़ छोड़ करने लगा और जबरन शरीरिक संबंध बनाने की कोशिश करने लगा। इस दौरान वह दोनों बहनों को रुपए व मोबाइल खरीदकर देने का भी झंसा दिया और कहा कि मोबाइल से बात करना और जहां बुलाउंगा वहां आ जाना। इस दौरान आरोपी ने दोनों नाबालिग बहनों को जमीन पर पटककर जबरदस्ती करने लगा। इस दौरान (13) बालिका किसी तरह उसके चंगुल से भागकर बाहर निकली और चिल्लाने लगी। चिल्लाने की डर से वह उसकी छोटी बहन (8) को छोड़ दिया। इसके बाद दोनों बहनें अपने घर पहुंचे। डर के कारण दोनों बहने घटना की जानकारी अपनी मां को नहीं दी थी। एक सप्ताह बाद दोनों बहने ने घटना की जानकारी मां को दी तो मां ने मामले की रिपोर्ट संबंधित थाना में दर्ज कराई है। मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी इरफान शेख के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

पीड़केबी ट्रॉफी में बसेन और फतेहपुर के बीच मुकाबला

- संवाददाता -
अंबिकापुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

साल्ही में आयोजित पीइकेबी चैंपियंस ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में परसा की टीम बासेन के खिलाफ जमके खेली और रोमांचक मैच में बासेन के गेंदबाज परसा के बल्लेबाज पर भारी पड़े। उत्साही दर्शकों के समर्थन के बावजूद परसा की हुई हार। परसा की ओर से राजेश ने इस दबाव को तोड़ते हुए शानदार 69 रनों की पारी खेली, जिससे परसा की टीम ने 10 ओवरों में बासेन के सामने 92 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। जवाब में बासेन की ओर से ओपनर शिवबरन ने आतिशी बल्लेबाजी करते हुए 86 रनों की धुआंधार पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 छक्के और 11 चौके लगाए। शिवबरनकी इस धमाकेदार पारी की बदौलत बासेन ने 8 विकेट से यह मैच जीत लिया और फाइनल में प्रवेश कर लिया। शिवबरन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरआरवीयूएनएल) के सौजन्य से आयोजित पीइकेबी ट्रॉफी में आस पास के ग्रामों की कुल 16 टीमो ने भाग लिया और कई दर्शकों ने रोमांचकारी क्रिकेट मैच का मजा लिया। दूसरे सेमीफाइनल मैच में फतेहपुर ने रोमांचक मुक़ाबले में घाटबर्रा को एक रन से हराया। फतेहपुर के गेंदबाजों ने गेम का रुख मोड़ दिया और घाटबर्रा के बल्लेबाजो को 58 से ज्यादा रन करने नहीं दिए और एक रन से मैच जीतकर टिमको फाइनल मे पहुचाया।

आदिवासी क्षेत्रों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है हमारी सरकारःमुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में प्रगतिरत् कार्यो को दो माह में पूर्ण करने के दिया निर्देश

- प्राधिकरण की बजट राशि 50 से बढ़ाकर 75 करोड़ की गई...
- मयाली में पर्यटन को बढ़ावा देने 10 करोड़ की राशि देने की घोषणा की
- खराब सड़कों की होगी शीघ्र मरम्मत

- संवाददाता -
जशपुरनगर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज जशुपर जिले के मयाली में सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक ली। मुख्यमंत्री ने विधायक श्रीमती रेणुका सिंह की मांग पर सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बजट राशि को 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ करने की घोषणा की। उन्होंने मयाली में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ की राशि देने की घोषणा भी की। प्राधिकरण के सदस्यगणों तथा प्रमुख विभागों के सचिवों के उपस्थित में मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण अंतर्गत् स्वीकृत कार्यो की समीक्षा की और निर्देशित किया कि अप्रारंभ कार्यो को निरस्त कर प्रगतिरत् कार्यो को शीघ्र पूर्ण किया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्राधिकरण के सदस्यों से वन-टू-वन चर्चा कर उनके क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और मांगों की जानकारी लेते हुए प्रस्ताव देने की अपील की। उन्होंने बैठक में सदस्यों द्वारा बताई गई समस्याओं का संबंधित विभाग के माध्यम से निराकरण के निर्देश दिए।

प्राधिकरण की बैठक संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के समय से ही प्रदेश का चहुमुखी विकास किया जा रहा है। उन्होंने आदिवासी क्षेत्र में विकास के लिए प्राधिकरण का गठन कर संसाधन उपलब्ध कराए। वर्तमान में छत्तीसगढ़ में पांच प्राधिकरण है। हमारी सरकार चाहती है कि बस्तर से लेकर सरगुजा क्षेत्र तक का विकास हो। भारत सरकार और राज्य सरकार चाहती है कि प्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग सहित सभी वर्गो का समन्वित विकास हो। प्राधिकरण के माध्यम से इन क्षेत्रों में अधोसंरचना की व्यवस्था कर विकास की गति को और आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ''पीएम जनमन'' और ''धरती आबा'' ग्राम उत्कर्ष योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य और आदिवासी क्षेत्रों में विकास हेतु बजट का प्रावधान किया है, उनकी इन योजनाओं से राज्य के सभी क्षेत्रों में विकास कार्यो को गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि उनकी सरकार ने बजट में आदिवासी क्षेत्र के विकास के लिए फोकस किया है। हमारी सरकार बस्तर और सरगुजा संभाग क्षेत्र के विकास के लिए वचनवद्ध होकर कार्य करेगी। मुख्यमंत्री ने जशपुर जिले के मयाली में प्राधिकरण की बैठक को लेकर जिला प्रशासन द्वारा की गई तैयारी की सराहना की और कहा कि जशपुर जिले में खनिज संसाधनों का भण्डार होने के साथ ही वन एवं वनोपज की उपलब्धता है। यहॉ के वनोपज, महत्वपूर्ण उत्पादों का वैल्यू एडिशन कर ग्रामीणों एवं किसानों को आगे बढ़ाया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राधिकरण की बैठक अपने गृह जिले तथा मयाली में करने के पीछे यहॉ के पर्यटन को बढ़ावा देने की बात कहते हुए राजधानी रायपुर से बैठक में शामिल वरिष्ठ अधिकारियों से अपील की कि वे यहॉ के उत्पादों को देखे, इसका उपयोग करे और इन्हें बढ़ावा देने के साथ ही जशपुर जिले के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल को भी बढ़ावा दे। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में प्राधिकरण के सदस्यों द्वारा बताए गए समस्याओं को निराकरण करने की बात कही। उन्होंने लुण्ड्रा-बतौली क्षेत्र में गन्ना खरीदी केन्द्र को प्रारंभ करने की मांग का परीक्षण करने, विद्युत विहीन क्षेत्रों में विद्युत पहुंचाने की दिशा में कार्य करने, हाथी से जनहानि रोकने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने, क्षति की राशि को बढ़ाने की दिशा में विचार करने की बात कही। मुख्यमंत्री ने एकल बत्ती कनेक्शन सहित अन्य लोगों को अधिक बिजली बिल मिलने की शिकायत पर ऊर्जा सचिव डॉ. रोहित यादव को निर्देशित किया कि बिजली बिल संबंधी शिकायतों का परीक्षण कर निराकरण कराए। उन्होंने खाद्य विभाग के सचिव को जशपुर जिले के कुछ स्थानों पर राशन की कमी संबंधित शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुनकुरी में जल संसाधन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी, कार्यालय को कार्यपालन अभियंता, संभागीय कार्यालय के रूप में उन्नयन कर वर्चुअल लोकार्पण किया।

बैठक में उपस्थित उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि सरगुजा और बस्तर क्षेत्र का विकास हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता का विषय है। प्राधिकरण अंतर्गत आज की बैठक में शामिल होकर मुख्यमंत्री ने इस क्षेत्र की विकास की प्रतिबद्धता और संकल्प को दोहराया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्राधिकरण के माध्यम से सरगुजा संभाग के लोगों के जीवन में परिवर्तन लाकर उनके जीवन को सुलभ बनाने का काम हमारी सरकार करेगी। उप मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि उन्होंने अपने अधीनस्थ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग और नगरीय प्रशासन विकास विभाग बैठक लेकर महत्वपूर्ण कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने एवं अन्य कार्यो के लिए राशि जारी की है। पीडब्ल्यूडी अंतर्गत् सड़कों के मरम्मत के आदेश दिए गए हैं और तेज गति से कार्य करते हुए नवम्बर माह तक कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन अंतर्गत कार्यो की समीक्षा कर घर-घर नल और जल पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की आकांक्षाओं को पूरा करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इस योजना में दोषी पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार छत्तीसगढ़ के विकास के लिए ''हमने बनाया है हम ही संवारेंगे'' की दिशा में कार्य कर रही है।

प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय ने जशपुर जिले में पर्यटन की अपार संभावना होने की बात कहते हुए प्राधिकरण की बैठक मयाली में होना सौभाग्य बताया। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण के माध्यम से उत्तर क्षेत्र सरगुजा संभाग से विकास कार्यो की शुरूआत छत्तीसगढ़ को विकास की ओर ले जाएगा।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि प्राधिकरण का बैठक मयाली में आयोजित करने का उददेश्य इस क्षेत्र की समस्याओं को चिन्हित कर निराकृत करना और पर्यटन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि गांव को ईकाई बनाकर विकास कार्यो की शुरूआत कर प्रदेश का विकास किया जा सकता है। उन्होंने सरगुजा संभाग के महत्वपूर्ण उत्पादों की जानकारी देते हुए इसे बढ़ावा देने पर जोर दिया। मंत्री श्री नेताम ने प्राधिकरण के सदस्यों से अपील की कि वे अपने क्षेत्र के आश्रम-छात्रावासों की समस्याओं से भी अवगत करावें, ताकि उन समस्याओं का समाधान किया जा सके।

बैठक में उद्योग,वाणिज्य एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने प्राधिकरण की पहली बैठक आयोजित करने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि बैठक के माध्यम से सरगुजा संभाग में महत्वपूर्ण कार्य आसानी से हो पाएंगे।

बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद रायगढ़ श्री राधेश्याम राठिया, सांसद सरगुजा श्री चिन्तामणी महराज, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, विधायक लुण्ड्रा श्री प्रमोद मिंज, विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला सिंह पोर्ते, विधायक अंबिकापुर श्री राजेश अग्रवाल, विधायक भरतपुर सोनहत श्रीमती रेणुका सिंह, विधायक बैकुण्ठपुर श्री भैया लाल राजवाड़े तथा जिला पंचायत अध्यक्षों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र से संबंधित समस्याओं की जानकारी देकर निराकरण की मांग की गई। मुख्यमंत्री ने सभी मांगों को समाधान करने के निर्देश दिए है।

मुख्यमंत्री ने सदस्यों द्वारा बताए समस्याओं को निराकरण के दिए निर्देश

बैठक में सदस्यों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। विधायक लुण्ड्रा श्री प्रमोद मिंज ने मयाली में आयोजित बैठक को क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर बताते हुए क्षेत्र के रघुनाथपुर में बंद किए गए गन्ना खरीदी केन्द्र को प्रारंभ करने और गन्ना उत्पादन को प्रोत्साहन देने, ग्राफ्टेड पौधा तैयार करने सहित नर्सरी में आवश्यक व्यवस्था करने की मांग की। मुख्यमंत्री ने विधायक की मांग का परीक्षण करने के निर्देश सचिव को दिए।

विधायक प्रतापपुर श्रीमती शकुंतला पोर्ते ने क्षेत्र हाथी विचरण होने तथा फसल और आम जनों को नुकसान पहुंचाने तथा विद्युत नहीं होने की बात कही। मुख्यमंत्री ने वन विभाग के अंतर्गत् स्वीकृत वन रक्षकों की भर्ती प्रक्रिया शीघ्र करने के निर्देश वन विभाग के सचिव को दिए। उन्होंने हाथी विचरण वाले विद्युत विहिन ग्रामीण क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट, सोलर लाइट, हाई मास्क लाइट लगाने के निर्देश दिए।

विधायक भरतपुर-सोनहत श्रीमती रेणुका सिंह ने सोनहत एवं मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत् दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाईल टावर नहीं होने से नेटवर्क की समस्या आने तथा इससे आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड बनाने में परेशानी होने, ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत की व्यवस्था नहीं होने तथा स्वास्थ्य केन्द्रों में पर्याप्त स्टाफ नहीं होने की समस्या से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र में दिव्यांगता अधिक होने की जानकारी देते हुए 100 बिस्तर अस्पताल तथा क्षेत्र के बैगा जनजाति के शिक्षकों को बस्तर से सरगुजा संभाग में वापस भेजने की मांग की। मुख्यमंत्री ने उक्त सभी समस्याओं को परीक्षण कर निराकरण करने के निर्देश दिए।

विधायक बैकुण्ठपुर श्री भैया लाल राजवाड़े ने नए धान खरीदी केन्द्र प्रारंभ करने, जल जीवन मिशन अंतर्गत् किए गए कार्यो की जांच कराने, सोलर अंतर्गत कार्यो को प्रारंभ कराने की मांग की। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हाथी प्रभावित क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था बेहतर बनाने तथा स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ाने की मांग रखी। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने पेयजल की व्यवस्था को बढ़ाने, बोर की सुविधा उपलब्ध कराने, मरीजों के ठहरने के लिए सराय की व्यवस्था करने की बात कहते हुए चिरमिरी क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को बेहतर बनाने की बात रखी। मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं और सुझावों पर अमल करते हुए निराकरण की बात कही।

इस दौरान सांसद रायगढ़ श्री राधेश्याम राठिया, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, श्री राम प्रताप सिंह, श्रीमती कौशल्या साय, श्री कृष्ण कुमार राय, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी दयानंद, कमिश्नर श्री जी आर चुरेंद्, आईजी श्री अंकित गर्ग, कलेक्टर डॉ रवि मित्तल,एसपी श्री शशिमोहन सिंह सहित विभागीय सचिव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णु साय ने दिव्यांगजनों के गीत सुनकर दी शाबाशी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु साय ने दिव्यांगजनों के गीत सुनकर दी शाबाशी

जशपुर जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल मयाली नेचर कैंप में आयोजित सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण की बैठक में शामिल होने पहुंचने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देश साय एवं सभी अतिथियों का कर्मा नृत्य और पारंपरिक वाद्य यंत्रों ढांक एवं नगाड़े की धुनों के बीच परम्परागत बांस की टोपी और डुंबर के फल और आम की पत्तियों की माला पहना कर स्वागत किया गया। इस दौरान शासकीय दृष्टि बाधित विशेष विद्यालय के शिवम राम और कुमारी रूपवर्षा केरकेट्टा द्वारा ठेठ नागपूरी गाना की प्रस्तुती दी। जिससे मुख्यमंत्री ने खुश होकर शासकीय दृष्टि बाधित विशेष विद्यालय जशपुर में वाद्य यंत्र खरीदी करने के लिए 01 लाख रूपए देने की घोषणा की है।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा, उपाध्यक्ष सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण श्रीमती गोमती साय, सांसद रायगढ़ श्री राधेश्याम राठिया, विधायक जशपुर श्रीमती रायमुनी भगत, श्री राम प्रताप सिंह, श्रीमती कौशल्या साय श्री कृष्ण कुमार राय, मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी दयानंद, कमिश्नर श्री जी आर चुरेंद्र, आईजी श्री अंकित गर्ग, कलेक्टर डॉ रवि मित्तल, एसपी श्री शशिमोहन सिंह भी उपस्थित थे।

जमीन संबंधित मामले में धोखा धड़ी कर 4.50 लाख रुपए के फर्जी खाते में हुआ लेनदेन

- वृद्ध महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करने दिया आवेदन,जांच में जुटी पुलिस

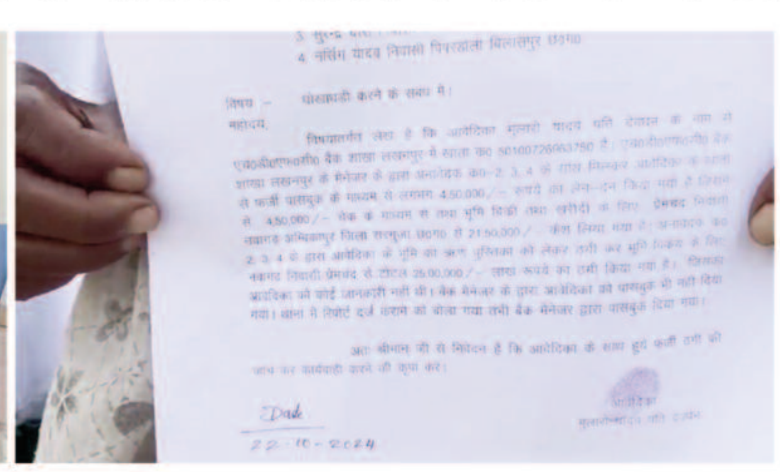

- संवाददाता -
लखनपुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के लखनपुर क्षेत्र में जमीन संबंधी मामले में धोखाधड़ी कर फर्जी बैंक खाते से साढे चार लाख रुपये लेनदेन करने का मामला सामने आया है। वही पीड़िता वृद्ध महिला के द्वारा लखनपुर थाना पहुंच रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया गया है। लखनपुर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम मुरालो यादव पति देवधन उम्र लगभग 75 वर्ष ग्राम केवरा थाना लखनपुर निवासी का भूमि ग्राम केवरा में स्थित है। वृद्ध महिला और उनकी परिवार वाले ने आरोप लगाया है कि लखन यादव पिता कार्तिक निवासी केवरा , सुरेंद्र दास निवासी चिताबहार अंबिकापुर, नर्सिंग यादव निवासी पीपरडोला बिलासपुर छत्तीसगढ़,के द्वारा लखनपुर ।।छ्रस्नष्ट बैंक मैनेजर के साथ साठ गांठ कर बैंक फर्जी खाता खोलकर फर्जी खाता नंबर 50100726965037 में 4.50 लाख रुपए का लेन देन किया गया है। पीड़िता वृद्ध महिला के जमीन की खरीदी बिक्री हेतु प्रेमचंद निवासी नवागढ़ अंबिकापुर जिला सरगुजा निवासी से 4.50 लाख चेक के माध्यम से और 21.50 लाख कुल राशि 25 लख रुपए लखन यादव, सुरेंद्र दास ,नरसिंह यादव के द्वारा ठगी किया गया। वृद्ध महिला के परिजनों को जानकारी होने पर वृद्ध महिला से संबंध में पूछताछ की गई। घटना से परिवारजन हक्के-बक्के रह गये। और एचडीएफसी बैंक लखनपुर पहुंच पूछताछ शुरू की बैंक मैनेजर के द्वारा पासबुक नहीं दिया जा रहा था। रिपोर्ट कराने की धमकी देने पर बैंक मैनेजर के द्वारा फर्जी पासबुक दिया गया जिसके बाद पीड़िता मुलारो यादव ने लखनपुर थाने पहुंचे जमीन संबंधित मामला तथा फर्जी खाते में हुए लेनदेन को लेकर लखनपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने आवेदन दिया है। पूर्व में भी लखनपुर क्षेत्र में इस तरीके के कई मामले सामने आ चुके हैं कई ग्रामीण धोखाधड़ी के शिकार हो चुके हैं और उनकी जमीन भी बिक्री हो चुकी है ।आज वह न्यायालय के चक्कर लगाने को मजबूर है। पुलिस प्रशासन की ओर से किस प्रकार की कार्रवाई इन भू माफियाओं और बैंक मैनेजर पर की जाती है यह देखने वाली बात होगी।

इस संबंध में लखनपुर एचडीएफसी बैंक मैनेजर आनंद त्रिपाठी से चर्चा करने पर उनके द्वारा अपना पक्ष रखने से साफ मना कर दिया गया।

आनंद त्रिपाठी
एचडीएफसी बैंक मैनेजर

जिले में रेत माफियाओं के काले धंधे में पहरेदार ही बने हिस्सेदार

रेत के अवैध खनन व परिवहन के सामने बौना हुआ जिला प्रशासन

-बागी कलम-
अनूपपुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
जिले भर में इस समय एक दर्जन से ज्यादा जगह पर रेत माफियाओं के द्वारा खुलेआम अवैध खनन किया जा रहा है। जहां इस मामले में बिजुरी थाना नंबर वन पर है वही कोतमा और अनूपपुर कोतवाली भी अवैध खनन के मामले में इस दौड़ में शामिल हो चुके हैं। कोतमा थाना अंतर्गत गढ़ी की घटना को भले ही पुलिस गंभीरता से नहीं लिया लेकिन सच यही है कि अब जिले की पुलिस रेत माफियाओं के आगे नतमस्तक हो गई है तो गलत नहीं है। फिलहाल जिले के पुलिस कप्तान के बार-बार दिशा निर्देश के बावजूद अवैध खनन का न रूक पाना कहीं ना कहीं इस बात का संकेत दे रहा है कि जिले के रेत माफियाओं को सत्ता के कुछ बड़े नेताओं का इस तरह से संरक्षण प्राप्त है कि रेत माफिया पुलिस से दो-दो हाथ करने में भी संकोच नहीं कर रहे हैं। वहीं इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में रेत का अवैध खनन रोकने के लिए जिम्मेदार समझे जाने वाले खनिज विभाग के अधिकारियों की भूमिका भी किसी से छिपी नहीं है।

थमने का नाम नहीं ले रहा बिजुरी में रेत माफियाओं का यह खेल

वैसे तो पूरे जिले के कोने-कोने में अवैध रेत खनन को लेकर सोशल मीडिया में खबरों की भरमार है लेकिन कोतमा और बिजुरी में काफी हो हल्ला मचने के बावजूद भी माफियाओं का यह काला कारोबार रुकने की जगह दिन दूनी रात चौगुनी की रफ्तार से बढ़ता जा रहा है। इसके पीछे जहां पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं वही खनिज विभाग की नाकामी और रेत माफियाओं को दबी जुबान से सत्ता का संरक्षण मिलना भी जिम्मेदार माना जा रहा है। विशेष कर जिले के बिजुरी थाना अंतर्गत जिस तरह खुलेआम रोजाना आधा सैकड़ा ट्रैक्टर ट्रालियों से अवैध रेत का परिवहन हो रहा है वह इस बात को प्रमाणित कर रहा कि बिना सत्ता पक्ष के संरक्षण के यह खुला खेल संभव नहीं है। यही नहीं रात के अंधेरे की बात ना की जाए तो दिन के उजाले में भी रेत माफिया जिस तरह से अवैध खनन और परिवहन कर रहे हैं इसके बावजूद बिजुरी पुलिस की लाचारी कहा जाए या हिस्सेदारी लेकिन सच यही है कि रेत माफियाओं के इस काले धंधे के प्रति पुलिस की चुप्पी कई सवालिया निशान खड़े कर रही हैं।

अवैध खनन की जगहों को चिन्हित कर वैध खदान घोषित किया जाए

यहां पर यह विशेष उल्लेखनीय तथ्य है कि मध्य प्रदेश सरकार के खनिज विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रदेश भर में अवैध रेत खनन पर लगाम लगाने के लिए इस बात के प्रस्ताव पर चर्चा की थी। जहां-जहां जिस जिस जगह पर नदियों के किनारे अवैध रेत का खनन हो रहा है ऐसी जगहों को चिन्हित करके उस जगह को रेत की खदान घोषित कर दिया जाए और उसे उसे जिले के रेत ठेका लेने वाली कंपनी के हैंडोवर कर दी जाए जिससे अवैध रेत खनन पर लगाम लगाई जा सके। लेकिन अनूपपुर जिले के खनिज विभाग में अवैध रेत खनन के लिए चिन्हित और विवादित जगह को रेत की खदान स्वीकृत करने के लिए कोई सकारात्मक पहल नहीं दिखाई। यही मुख्य कारण है कि अब हम लोग और खनन कार्य से जुड़े कारोबारी भी इस बात को स्वीकार करने लगे हैं कि जिले का सबसे भ्रष्ट खनिज विभाग जानबूझकर अवैध खनन हो रही जगहों को सरकारी रेत खदान घोषित कराने के लिए कोई कदम इसलिए नहीं उठाया की उक्त जगह पर हो रहे अवैध खनन में रेत माफियाओं के साथ खनिज विभाग की भी एक प्रमुख हिस्सेदारी पर अंकुश न लग जाए।

पीआईसी की बैठक में अनुशासनहिन कर्मचारियों के विरूद्ध निलंबन का प्रस्ताव पारित

लेखापाल बदलने का निर्णय, पम्पापुर चौक और महुआपारा का हुआ नामकरण

-संवाददाता-
सूरजपुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
गत 21 अक्टूबर को नगरपालिका अध्यक्ष के.के. अग्रवाल की अध्यक्षता में प्रेसीडेन्ट-इन-काउंसिल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारी, कर्मचारियों की अनुशासन हिनता पर असंतोष व्यक्त करते हुए निकाय के संबंधित कर्मचारियों को निर्लंबित करने और विभिन्न वार्डों में चिल्डेऊन पार्क बनाने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया।
इस संबंध में पी.आई.सी. प्रमुख नगरपालिका अध्यक्ष के.के अग्रवाल ने बताया कि टेनसाइल स्ट्रक्चर के शुभारंभ कार्यक्रम हेतु आयोजित हवन पूजन में विभाग के जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारियों की अनुपस्थिति को मनमानी एवं अनुशासन हिनता मानते हुए उनके विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही का प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं निर्धारित ऐजेण्डे पर विस्तृत चर्चा कर निर्णय पारित किये गये। बैठक में नगरपालिका अध्यक्ष के.के अग्रवाल के अलावा पी.आई.सी. सदस्य मंजूलता गोयल, उपाध्यक्ष रितेश गुप्ता, संजय डोसी, बिरेन्द्र बंसल, गैबीनाथ साहू, पुष्पलता साहू, अजय सोनवानी व प्रभारी अधिकारी एम.एल. गहरवरिया मौजूद रहे। बैठक में पम्पापुर बड़कापारा चौक का नाम समलाई माता के नाम से माता समलाई चौक और महुआपारा मोहल्ले का नाम मां शितला नगर रखने के प्रस्ताव को सर्व सम्मति से पारित किया गया। इससे पूर्व अग्रसेन वार्ड में भट्ठापारा का नाम बदलकर भाग्य नगर, तुरियापारा का नाम बदलकर प्रगति नगर एवं कब्रिस्तान पारा का नाम बदलकर कृष्णकुंज नगर किया गया था।

सभी 18 वार्डों में बनेंगे चिल्ड्रन गार्डन

पी.आई.सी. की बैठक में सभी पार्षदों की मांग पर जिन वार्डों में भूमि की उपलब्धता होगी उन वार्डों में चिल्ड्रेन मिनी पार्क बनाकर उसमें बच्चों के मनोरंजन के साधन विकसित करने का निर्णय सर्व सम्मति से पारित किया गया।

सरना देव परिसर का होगा कायाकल्प

नगर के वार्ड क्र0-02 महगंवा स्थित सरना स्थल के कायाकल्प का प्रस्ताव पारित किया गया है। सरना देव परिसर के विकास एवं उन्नयन हेतु 34.00 लाख का प्रावधान करते हुए स्थानीय संस्कृति को विकसित करने का निर्णय लिया गया है।

अग्रसेन वार्ड में बनेगी विश्वनाथ वाटिका

नगर के अग्रसेन वार्ड स्थित स्टेडियम से लगे शिव मंदिर परिसर में विश्वनाथ वाटिका विकसित करने का निर्णय लिया गया है। वाटिका में बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले इत्यादि उपकरण लगाये जायेगें। जिसके लिए अध्यक्ष निधि से वांछित राशि का प्रावधान किया गया है।

सुभाष चौक काम्प्लेक्स में बनेगा कल्चरल शेड

मेनरोड स्थित सुभाष चौक काम्प्लेक्स के मंदिर के समीप रिक्त भूमि पर होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक एवं धार्मिक व व्यवसायिक कार्यक्रमों के दृष्टि से वरिष्ठ नागरिक संघ की मांग का समर्थन करते हुए कल्चरल शेड का निर्माण कराने का निर्णय लिया गया है। इसी प्रकार पी.आई.सी. की बैठक में अब तक लिए गये विभिन्न निर्णयों एवं पारित किये गये प्रस्तावों की समीक्षा की गई और पारित प्रस्तावों का क्रियान्वयन न करने पर कलेक्टर के माध्यम से क्रियान्वयन कराने का प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किया गया।

लेखापाल का प्रभार बदलने का प्रस्ताव

पी.आई.सी. की बैठक में पदस्थ लेखापाल के स्वास्थ्यगत कारणों से लगातार अनुपस्थित रहने की स्थिति पर चर्चा की गई। अनुपस्थिति के कारण लेखापाल का कार्य अपात्र एवं अनाधिकृत कर्मचारियों से कराये जाने पर आपत्ति व्यक्त करते हुए लेखापाल का कार्य का प्रभार लंबित देयकों के भुगतान से पूर्व राजस्व प्रभारी एवं पूर्व नगरपालिका अधिकारी एम.एल. गहरवरिया को प्रदान करने का प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक के ऐजेण्डे में शामिल 20 विषयों के साथ ही 06 अतिरिक्त विषयों पर भी चर्चा की गई और निर्णय पारित किया गया।

बीटीएस प्रणाली से अब रास्ते मे होने वाली कोयला की अफरा-तफरी पर रखी जाएगी नजर

-संवाददाता-
कोरबा,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।
खदानों से कोयला लेकर निकली गाड़ियों का प्लांट, कोल साइडिंग या कोल वाशरी तक जाने का रास्ता तय किया जाता है। वहीं ट्रांसपोर्ट कंपनियों की गाड़ियों के माध्यम से कोयले में मिलावट कर हेराफेरी व चोरी के मामले अक्सर सामने आते रहे हैं। इन्हें पकड़ने के लिए कई तरीके अपनाने के बाद भी शत-प्रतिशत सफलता नहीं मिल रही थी। जिसे देखते हुए अब कोयला चोरी और मिलावट रोकने के लिए बीटीएस सिस्टम को कारगर माना जा रहा हैं। कोल इंडिया की एसईसीएल कंपनी इस सिस्टम पर काम करना शुरू कर दिया है। कंपनी ने 13 एरिया में अब तक 1200 से अधिक ट्रांसपोर्टिंग में लगे वाहनों को ट्रेकिंग सिस्टम से लैस किया जा है। वाहनों में कंपनी से लग कर आने वाली जीपीएस के साथ साथ एसईसीएल अब अपनी अलग बीटीएस लगा रही है। जिससे वास्तविक समय पर वाहनों की निगरानी की जा रही है। अब किसी भी वाहन को ट्रैकिंग सिस्टम से लैस किए बिना खदान में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। अभी हाल ही में दीपका कोयला खदान से कोयला लेकर रवाना हुए चार ट्रेलर से अच्छा कोयला रास्ते में अवैध डिपो में उतार लिए गए और उसकी जगह चूरा व पत्थर मिला दिया गया। संबंधित कंपनी में परीक्षण के दौरान इसका पता चला और थाने में शिकायत भी की गई। जिसपर कार्यवाही करते हुए कोयले की अफरा-तफरी का अपराध पंजीबद्ध कर चालक की गिरफ्तारी की गई है।

प्राथमिक शाला इमलीपारा के छात्र छात्राएं पढ़ाई के साथ अन्य गतिविधियों में भी दिखा रहे रुचि

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

शासकीय स्कूलों में जहां बेहतर शिक्षा ग्रामीण क्षेत्र के निवासी बच्चों को नहीं मिल पा रही है ऐसी खबरें लगातार मिल रही थीं और शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है ऐसी ही सूचनाएं मिल रही थीं प्राथमिक स्तर की शिक्षा खासकर पटरी पर नहीं है यह भी आए दिन की बातें हुआ करती थीं लेकिन वहीं यदि धरातल पर जाकर देखा जाए तो कई प्राथमिक शालाओं के शिक्षक और महिला शिक्षक काफी मेहनत कर रहे हैं और वह पूर्ण समर्पण भाव से निस्वार्थ सेवाभाव के साथ अपने कर्तव्य का निर्वाहन भी कर रहे हैं वहीं वह ग्रामीण क्षेत्र के छोटे छोटे बच्चों को शासकीय स्कूलों में ही बहुआयामी शिक्षा प्रदान करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं और उनकी कोशिश भी सफल होती नजर आ रही है और कहीं न कहीं यह देखने को मिल रहा है की कई शासकीय स्कूलों में प्राथमिक शिक्षा का स्तर सुधर रहा है और आज शासकीय संस्थाएं भी छात्र छात्राओं को सभी तरह से तैयार करने में जुटे हुए हैं और वह अपनी तरफ से हर संभव प्रयास कर रहे हैं। ऐसा ही एक शासकीय प्राथमिक शाला कोरिया जिले का भी काफी जो बैकुंठपुर के ग्राम डकईपारा का है जो इमलीपारा के नाम से जाना जाता है और जहां पदस्थ महिला शिक्षक छात्र छात्राओं के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से काम कर रही हैं और उन्हें हर तरह से शिक्षा के हर क्षेत्र से जोड़ने का प्रयास कर रही हैं जिससे उन्हें कोई भी दिक्कत भविष्य में न होने पाए और हर तरह की शिक्षा और परिवेश के लिए वहां के छात्र छात्राएं तैयार रहें जो शिक्षा से जुड़ा ही परिवेश हो। विद्यालय में पढ़ाई के साथ साथ छात्र छात्राओं को कई गतिविधियों से भी जोड़ने का काम वहां की महिला शिक्षिकाएं कर रही हैं और छोटे छोटे बच्चे कई रोचक गतिविधियों से जुड़कर जहां रोमांचित भी हो रहे हैं वहीं वह कई ऐसी प्रतिभाओं को खुद में जन्म दे पा रहे हैं महसूस कर पा रहे हैं जो उनमें थी जरूर लेकिन उन्हें उसका एहसास नहीं था और जिसे अब महिला शिक्षिकाएं एहसास करा रही हैं प्रतिभाओं को वह बाहर निकालकर छात्र छात्राओं को एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व का जीवन प्रदान करने की कोशिश कर रही हैं। हाल में ही दीपावली के पर्व के पूर्व छात्र छात्राओं को पढ़ाई के साथ साथ मिट्टी के दीपक बनाने की भी जहां प्रेरणा शिक्षिकाएं प्रदान कर रही हैं वहीं वह खुद उनके साथ मिलकर मिट्टी के दिए बनवा रही हैं। इस वर्ष बच्चे स्कूल के अपने हाथों से बने मिट्टी के दिए दीपावली में जलाएंगे और अभी उन्होंने दिए बनाए हैं उनमें रंग भी वह भरने वाले हैं यह उनका ही कहना है।

गेवरा खदान से डीज़ल चोरी करने वाले 11 आरोपियों पर कार्यवाही

2030 लीटर डीजल समेत दो बोलेरो वाहन किया जब्त

-संवाददाता-
कोरबा,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा नेहा वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक दर्री विमल कुमार पाठक के मार्गदर्शन पर लगातार जुआ, सट्टा, आबकारी, नारकोटिक्स एक्ट एवं अवैध गतिविधियों पर कार्यवाही हेतु निर्देशित करने के परिपालन में थाना प्रभारी दीपका प्रेमचंद साहू के नेतृत्व में दीपका पुलिस टीम के द्वारा लगातार कठोर कार्यवाही कि जा रही है। इसी क्रम में गेवरा खदान में गाड़ियों से डीजल चोरी करने वाले गिरोह पर कठोर कार्यवाही करने में दीपका पुलिस कोरबा को सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 20.10.2024 को थाना दीपका में रिपोर्ट दर्ज कराया गया था कि गेवरा खदान से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा संगठित रूप से डीजल की चोरी की जा रही है, उक्त रिपोर्ट को तत्काल संज्ञान में लेते हुए दीपका पुलिस की टीम गठित कर मुखबीर सूचना प्राप्त कर डीजल चोरी करने वाले गिरोह को खदान क्षेत्र से पकड़ा गया और उनके कब्जे से 58 जारीकेन में 2030 लीटर डीजल और घटना में उपयोग किए 2 नग बोलेरो वाहन को जप्त किया गया है और घेराबंदी कर घटना को अंजाम देने वाले गिरोह के 11 आरोपी 01. शशी चौहान पिता पंचराम चौहान उम्र 25 साल साकिन केसला थाना हरदीबाजार 2.सलिक राम उइके पिता विरेन्द्र सिंह उइके 30 साल साकिन खलारी पारा नोनबिर्रा थाना पाली 3.अजय दास महंत पिता मंगलदास महंत उम्र 26 साल साकिन पचपेढ़ी थाना उरगा हा.मु. विजय नगर दीपका थाना दीपका 4. नवलसिंह राज पिता प्रेंमसिंह राज उम्र 33 साल साकिन नोनबिर्रा थाना दीपका 5.निलेश यादव पिता सहेत्तर लाल यादव उम्र 20 साल साकिन केसला थाना हरदीबाजार 6.संदीप कुमार श्रोते पिता गौतम सिंह श्रोते उम्र 18 साल साकिन सिरकी थाना दीपका 7.मयाराम निर्मलकर पिता स्व.कृपाराम निर्मलकर उम्र 31 साल साकिन विजयनगर दीपका 8.रितेश दास पिता रामायण दास उम्र 20 साल साकिन महुआडीह थाना हरदीबाजार 9.संजय चौहान पिता अजीत चौहान उम्र 20 साल साकिन केराकछार थाना दीपका 10.रघु बिझंवार पिता दुजराम बिझंवार उम्र 20 साल साकिन केसला थाना हरदीबाजार 11.ओमप्रकाश कंवर पिता विश्राम सिंह कंवर उम्र 27 साल साकिन जमनी मुडा थाना पाली को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।

न्यायालय तहसीलदार, रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

क्र01685 वाचक/तह./2024
रामानुजगंज, दिनांक- 17/10/2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम-रामानुजगंज को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र प्रसाद गुप्ता आ0 स्व0 बैजनाथ प्रसाद गुप्ता निवासी नगर रामानुजगंज थाना व तहसील रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज, छ0ग0 के द्वारा के पुत्र सत्यम गुप्ता के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आय एवं सम्पत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

यदि उक्त जांच बिन्दु में वर्णित तथ्य के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 11/11/2024 को अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उक्त नियत समयावधि के पश्चात प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 17/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामा0

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) उदयपुर जिला-सरगुजा

रा0प्र0क्र0/1486/अ-02/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका केन्दी आ0 श्यामलाल जाति रजवार निवासी ग्राम सिरकोतंगता तहसील लखनपुर के द्वारा ग्राम सिकोतगा तहसील लखनपुर स्थित अपने स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 473/7 रकबा 0.027 हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से अन्य प्रयोजन आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र के साथ रजिस्ट्री, बी-1 खसरा, नक्शा, सेटलमेन्ट अभिलेख एवं ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन के पन्द्रह दिवस के भीतर इस न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर लिखित रूप से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 14/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा0) उदयपुर

न्यायालय नायब तहसीलदार -2 अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,(छ0ग0)

रा.प्र.क्र./ब 121 /2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका स्नेहलता केशरी पति प्रविन्द्र कुमार गुप्ता, निवासी सत्तीपरा रानी सती देवी मंदिर के पास अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम ठाकुरपुर स्थित व्यपवर्तित भूमि खसरा नंबर 697/5 रकबा 0.010 हे0 भूमि व उस पर निर्मित मकान को निजी कार्य हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदक राजेश तिवारी आ0 रामआशीष तिवारी, निवासी दर्रीपारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, छ0ग0 को रू0 31,00,000/- (इकतीस लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 13/11/2024 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 18/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार ,अंबिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202410020700135

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:-राजस्व सन्:-2024-25
चिताबहार(प.ह.नं.00033 (114/1(0.300 हे0 हे.)
पक्षकारों का विवरण:-
आवेदक पक्षकार-स्वतंत्रता कु.राजवाड़े,
अनावेदक पक्षकार- श्रीराम,

ईश्तहार

आवेदक स्वतंत्रता कुमार राजवाड़े आ0 सुरेश कुमार राजवाड़े निवासी ग्राम श्रीगढ़ तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम चिताबहार स्थित भूमि खसरा नंबर 114/1 रकबा 0.030 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 21/08/2022 के माध्यम से नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत कया गया है।
उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 11/11/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावाआपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/10/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर,सरगुजा

न्यायालय नायब तहसीलदर तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर.छ0ग0

रा.प्र.क्र. ब/121
ग्रा- प0ह0न0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ईश्वर प्रसाद साहू पिता स्व0 जगरनाथ साहू जाति तेली निवासी बस्कर प0ह0नं0-04 रा0नि0मं0 भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माता स्व0 गुलाब सिया का जन्म/मृत्यु दिनांक 29/12/2019 को ग्राम बस्कर में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने माता का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्रम पंचायत बस्कर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/11/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 16/08/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

सील — नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला - सूरजपुर, छ0ग0

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. 202305260300019/ अ-6 अ/2022-23

ग्राम -पर्री

सर्व साधारण ग्राम पर्री को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री जोखन लाल साहू आ0 शेषमन साहू जाति तेली निवासी ग्राम पर्री तहसील व जिला-सूरजपुर, छ0ग0 के द्वारा आपने भूमि स्वामी हक एवं आधिपत्य की भूमि खसरा नं0 137 रकबा 0.140 हे0 भूमि पंजीकृत विक्रय पत्र के माध्यम से क्रय की गई है,उक्त आवेदित भूमि वर्तमान नक्शा पुरान के अनुसार छोटा होने से रकबा के अनुसार वर्तमान नक्शा को सुधार कराने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी महोदय सूरजपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने से जांच कार्यवाही-पूर्ण कर प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में राजस्व निरीक्षक बसदेई के जांच प्रतिवेदन लिया गया, उक्त सुधार प्रस्ताव में प्रभावित पक्षकार गीता पति द्वारिका दास बगै0 है, जिनको नोटिस जारी कर आहूत किया गया, नोटिस अदम तामिल वापस होने पर पाया गया कि गीता देवी की मृत्यु हो चुकी है, इसलिए स्व0 गीता देवी की वारिसों को उक्त प्रस्तावित भूमि के संबंध में ईश्तहार के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या हितबद्ध पक्षकार तथा किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 29/10/2024 समय दोपहर 1.00 बजे न्यायालय मेंअपना स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोईविचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — तहसीलदार, सूरजपुर

क्या अधिकारी ही नहीं चाहते कि उनके प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की हत्यारे को मृत्युदंड मिले?

उम्र कैद से ही संतुष्ट करना चाहते हैं प्रधान आरक्षक को:सूत्र

घटती घटना अम्बिकापुर, रविवार 20 अक्टूबर 2024 5

मैं भी कुलदीप से कम नहीं कहीं ऐसी कोई पिक्चर न हो जाए रिलीज...

इसलिए अब हत्यारे को कड़ी सजा मिले पुलिस को करना होगा प्रयास

जिसको जाना था चला गया...हमारा क्या, क्या ऐसी ही सोच रखते हैं उच्च अधिकारी?

सूरजपुर प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी की हत्या मामला काफी मार्मिक है लेकिन सिर्फ आम जनता व छोटे कर्मचारियों के लिए

सूरजपुर मामले में एक बड़ी कार्यवाही,क्या अब शासन केवल तबादला करके ही कार्यवाही दिखा पाएगी?

क्या बड़े उच्च अधिकारी के लिए यह घटना सामान्य सी घटना लगने लगी है?

क्या एसपी को बदलकर शासन ने सूरजपुर मामले में की बड़ी कार्यवाही

आरोपियों पर जहां कड़ी होनी थी कार्यवाही वहीं पुलिस अधीक्षक का गिरा विकेट

-समरोज खान-
सूरजपुर,22 अक्टूबर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी के हत्या मामले में एक सप्ताह हो गए,इसमें सभी आरोपी भी गिरफ्तार हो गए जेल भी चले गए,फिर भी लोगों को संतुष्टि नहीं है क्योंकि जो अपराध हुआ है वह अपराध काफी बड़ा है, किसी निर्दोष की जान जाना वह भी किसी कबाड़ी और अन्य अपराधियों के हाथ यह बड़ी विडंबना है,साथ ही ऐसे अपराध के लिए दंड कैसा होना चाहिए यह भी विचार योग्य है, वैसे ऐसे जघन्य अपराध के लिए मृत्युदंड ही होनी चाहिए लेकिन यदि मृत्युदंड ना हो तो फिर क्या हो? यह तो न्यायपालिका का अधिकार क्षेत्र है? फिर भी इस पर भी गहन चिंतन इसलिए हो रही है क्योंकि प्रावधानों के तहत ऐसे अपराध के लिए फांसी या मृत्युदंड जैसी सजा मिलनी चाहिए, पर क्या इस ओर काम हो रहा? इन अपराधियों को ऐसी सजा मिले जो मृत्युदंड या मृत्युदंड जैसी हो,जिसके लिए कड़ी जांच करवाई की जानी चाहिए थी या फिर उम्र कैद की सजा मिले इस पर उच्च अधिकारियों का ध्यान ज्यादा है, जहां पर लोग या खुद खाकी के बुद्धिजीवी व न्याय की बात से वास्ता रखने वाले इस पर मृत्युदंड की राय बता रहे हैं पर सूरजपुर कांड में आज भी एक ऐसा वर्ग है जो अपराधियों को सिर्फ उम्र कैद की सजा तक की बात अपने मुंह से कह रहा है,ऐसा लग रहा है की वरिष्ठ अधिकारियों को अपने ही अधीनस्थ कर्मचारी के पत्नी व बेटे के जघन्य हत्या पर अफसोस नहीं है या फिर उसके हत्यारे को न्यायिक रूप से मृत्युदंड मिले यह भी उनका प्रयास नहीं है? पूरे कहानी के पलटवार के बाद अब जो बात आ रही है वह बात है कि अपराधियों को उम्र कैद तक की अंतिम सजा सुनाई जाएगी, इस सोच के साथ कार्रवाई की जा रही है और जांच हो रही है और यह भी समय की बात है कि यह भी सजा उम्र कैद तक भी पहुंचेगी या फिर बीच में ही दम तोड़ देगी? अभी तो अपने कर्मचारियों को सांत्वना देने के लिए उम्र कैद की सजा मिले यह अधिकारी अपने मुख से कह रहे हैं। ऐसा लग रह कि अधिकारियों की सोच सहानुभूति अपने कर्मचारी के परिजनों के प्रति नहीं अपराधियों के प्रति ज्यादा दिख रही है, इसकी वजह क्या है यह तो अधिकारी ही जाने पर सूत्रों का यही मानना है कि अपराधियों को इतने बड़े अपराध के बाद भी आगे चलकर स्थानीय जेलों में ही रखकर वीआईपी ट्रीटमेंट मिलेगा और साथ ही उन्हें कई तरह के लाभ मिल सकते हैं, उन्हें उस तरह का दंड नहीं मिलेगा जिस दंड की अपेक्षा लोगों को थी, यहां तक की कठोर दंड मिले ही यह तो एक पति व बेटी का पिता चाह रहा होगा पर वह भी कहीं ना कहीं अपने अधिकारियों की सोच को समझ चुका है और वह भी अब जान चुका होगा कि अपने विभाग से यह उम्मीद करना कतई सही नहीं है।

सूरजपुर के नए पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर

एम आर अहिरे का हुआ तबादला प्रशांत कुमार ठाकुर होंगे सूरजपुर के नए पुलिस अधीक्षक अब देखना होगा कि सूरजपुर की कानून व्यवस्था कैसी होगी? तबादले को अभी तक कार्रवाई के नजरिए से देखा जा रहा है अब आगे देखना होगा कि नए पुलिस अधीक्षक इस पूरे मामले को कैसे हैंडल करते हैं।

चार अपराधों में 12 आरोपी जेल में बंद

सूरजपुर जिले में घटी दोहरे हत्याकांड के बाद इस हत्याकांड से संबंध रखने वाले साथ इस अपराध के पूर्व ही पुलिस के ही साथ या विरुद्ध कारीत किए गए अपराध में कुल 12 आरोपी जेल भेजे गए हैं।आरक्षक पर गर्म तेल फेंकने,आरक्षकों पर वाहन चढ़ा कर उनकी हत्या का प्रयास ,पुलिस पर फायरिंग कर उन पर प्राणघातक हमला करना सहित आरक्षक की पत्नी और पुत्री की हत्या कर उनके शवों को अन्यत्र ले जाकर फेंकने के कुल चार आरोप इन 12 लोगों पर दर्ज किए गए हैं। देखा जाए तो यह एक बड़ा गिरोह था है और जो एक बड़े अपराध का कारण बन गया जिसे संरक्षण मिलना ही इतने बड़े अपराध की वजह बनी। वैसे ऐसे आरोपियों के लिए एक किसी बड़े दंड का प्रावधान और उसके लिए आधार पुलिस को तैयार करना चाहिए जिससे एक नजीर और एक उदाहरण प्रस्तुत हो समाज में एक संदेश जाए जिससे कोई और ऐसे अपराध में शामिल होने मंशा न बनाए।

रिमांड खत्म...कुलदीप गए जेल...अब जेल में मिलेगा वीआईपी ट्रीटमेंट या फिर कैदियों जैसा होगा व्यवहार?

सूरजपुर दोहरे हत्याकांड में आरोपी जिन्होंने मां और बेटी का बेरहमी से कत्ल किया है को अब तक पुलिस ने रिमांड में रखा था और अब उन्हें जेल भेज दिया गया है। आरोपियों में से एक आरोपी जो जिला बदर का आरोपी था को पुलिस का संरक्षण मिलता था और वह जिला बदर रहते हुए भी जिले में और जिला मुख्यालय में रहता था सार्वजनिक ऐसे कार्यक्रमों में शामिल होता था जहां अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का आना जाना होता था और वह उनसे मिलता भी था।जब उसे जिला बदर रहते हुए ऐसी सुविधा मिलती थी और उसे वीआईपी माना जाता था पुलिस के द्वारा तो क्या अब जेल में भी उसे वीआईपी ट्रीटमेंट मिलेगा। वैसे जेल प्रबंधन अलग होता है पुलिस से अलग उनका एक अपना नियंत्रण होता है लेकिन जिस तरह इन आरोपियों का रिकॉर्ड रहा है वह जेल में भी जुगाड जमा लेने में सफल हो जाएंगे और वह वीआईपी बनकर मौज करेंगे यह माना जा रहा है कुछ के द्वारा।

आरोपियों पर जहां कड़ी होनी थी कार्यवाही वहीं पुलिस अधीक्षक का गिरा विकेट

सूरजपुर मामले में सिर्फ पुलिस अधीक्षक का तबादला एक हफ्ते बाद कर दिया गया, क्या यही शासन की बड़ी कार्यवाही मानी जाए? क्योंकि आरोपियों पर कड़ी होनी थी करवाई, पर वही सिर्फ पुलिस अधीक्षक का ही विकेट गिरा, क्या अन्य पुलिसकर्मी भी आएंगे जद में? क्या अन्य जिले के दो अधिकारियों के रिपोर्ट पर हटाए गए पुलिस अधीक्षक? क्या अन्य जिले के दो पुलिस अधिकारी जिन्हें बनाया गया था जांच अधिकारी व अन्य पुलिसकर्मियों की भी संलिप्त उजागर करेंगे या फिर समय के साथ सारी चीज जमीदोज हो जाएंगे और सिर्फ जिसके साथ घटना हुई है वही सामने रह जाएगा?

क्या स्थानीय जेल में रहने से आरोपियों को मिलेगा फायदा?

जघन्य अपराध के आरोपियों को सूरजपुर के स्थानीय जिला जेल में रखा गया है। जिला जेल जिला मुख्यालय में है और आरोपियों की पहचान वहां के कुछ लोगों से पहले से न हो ऐसा भी मानना अभी जल्दबाजी होगी। अब क्या उन्हें स्थानीय होने का फायदा मिलेगा यह देखने वाली बात होगी।वैसे स्थानीय जेल में ऐसे आरोपियों को रखा जाना खतरनाक भी है और ऐसे आरोपियों को निश्चित ही केंद्रीय जेल में निरुद्ध किया जाना चाहिए जिससे वह अनुचित कोई लाभ निरुद्ध रहते हुए न उठा लें।

कबाड़ी परिवार के पांच लोग जेल में

कबाड़ी परिवार के कुल पांच लोग जेल भेजे गए हैं। 12 में से 5 आरोपी एक परिवार से हैं। यह कानून व्यवस्था के लिए भी विचारणीय है क्योंकि कैसे एक दो न नंबर का व्यापार करने वाला संरक्षण प्राप्त कर पुलिस के लिए ही नासूर बन गया और पुलिस परिवार के सदस्यों का ही कातिल बन गया।पूरी घटना में पुलिस को काफी कुछ विचार करने की जरूरत है।

अपराध क्रमांक 218/2024 का आरोपी-यह अपराध सूरजपुर में पंजीबद है और इस अपराध में आरोपी कुलदीप साहू का नाम दर्ज है।

अपराध क्रमांक 573/2024 के आरोपी- सूरजपुर थाने में 573/2024 का अप्राध्यक्ष है इस अपराध में आरोपी कुलदीप साहू, फूल सिंह उर्फ रिंकू, चंद्रकांत उर्फ सीके,आर्यन विश्वकर्मा उर्फ गोल्डी, मनीष जायसवाल उर्फ गोलू, शानी साहू, आकाश साहू, विजय हतगेन, प्रवीण कुमार शामिल है इस अपराध क्रमांक में 9 आरोपी है।

अपराध क्रमांक 574/2024 के आरोपी- इस अपराध क्रमांक में कुलदीप साहू, फूल सिंह उर्फ रिंकू, चंद्रकांत उर्फ सीके, आर्यन विश्वकर्मा उर्फ गोल्डी, राजू साहू, अशोक साहू यह छः आरोपी शामिल है।

अपराध क्रमांक 575/2024 के आरोपी- इन अपराध में कुलदीप साहू, फूल सिंह उर्फ रिंकू, चंद्रकांत उर्फ सीके, सूरज साहू, यह चार लोग आरोपी बनाए गए हैं।

12 आरोपी गए जेल- फिलहाल में चार मामले सूरजपुर में दर्ज हुए इन चार मामलों को मिलाकर 12 आरोपी जेल निरुद्ध हुए, तीन मामलों में एक ही जैसे आरोपी है।

घटती घटना अम्बिकापुर, बुधवार 16 अक्टूबर 2024 6

सूरजपुर के प्रधान आरक्षक की पत्नी व बेटी की हत्या का अपराधी

कुलदीप साहू बलरामपुर से गिरफ्तार

घटती घटना अम्बिकापुर, शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024 6

सूरजपुर दोहरे हत्याकांड की कहानी सुलझ गई या अनसुलझी रह गई?

घटती घटना अम्बिकापुर, मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 6

क्या अब पुलिस को अपराध पर अंकुश लगाने की सजा उसके परिवार के सदस्यों की जान देकर चुकानी पड़ेगी?

जिला बदर के आरोपी ने की पुलिसकर्मी की पत्नी व 12 साल की पुत्री की हत्या

घटती घटना अम्बिकापुर, गुरुवार 17 अक्टूबर 2024 6

सूरजपुर कोतवाली के प्रधान आरक्षक की पत्नी व पुत्री की नृशंस का मामला

कुलदीप साहू सहित युवक एनएसयूआई का जिलाध्यक्ष भी था शामिल

पुलिस ने जारी की प्रेस विज्ञप्ति

घटती घटना अम्बिकापुर, सोमवार 21 अक्टूबर 2024 6

जिला बदर के आरोपी की अगुवाई में दुर्गा उत्सव कार्यक्रम कैसे मनाया जा रहा था?

संक्षिप्त खेल की खबरें

हॉकी,क्रिकेट,कुश्ती,बैडमिंटन, स्क्वैश और टेबल टेनिस ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर

commonwealth games GLASGOW 2026

लंदन,22 अक्टूबर 2024। ग्लासगो में 2026 राष्ट्रमंडल खेलों में भारत की पदक की उम्मीदों को बड़ा झटका देते हुए आयोजकों ने हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती, बैडमिंटन, स्क्वैश और टेबल टेनिस को आगामी संस्करण के खेल कार्यक्रम से हटा दिया है।

खेल कार्यक्रम में एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड), तैराकी और पैरा तैराकी, कलात्मक जिमनास्टिक, ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग, नेटबॉल, भारोत्तोलन और पैरा पावरलिफ्टिंग, मुक्केबाजी, जूडो, बाउल्स और पैरा बाउल्स, तथा 3×3 बास्केटबॉल और 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल शामिल होंगे।

कमिंस अगले महीने होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सुधार के लिए तैयार

मुंबई,22 अक्टूबर 2024। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी)सीरीज से पहले, ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि उनकी टीम सीरीज के पिछले चार लगातार संस्करणों में हार के बाद इस बार अपने

प्रदर्शन में सुधार करेगी।भारत पिछले चार बीजीटी में खिताब बरकरार रखने में सफल रहा, जिसमें 2018-19 और 2020-21 में उनकी प्रसिद्ध सीरीज जीत शामिल है, जहां ऋषभ पंत ने गाबा में नाबाद 89 रनों की शानदार पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया के अपने गढ़ में 32 साल के अपराजित क्रम को समाप्त करते हुए शानदार जीत हासिल की।

अगले टेस्ट के लिए टीम में होगा बदलाव

तीन स्पिनर्स के साथ उतरने का कप्तान ने लिया फैसला

रावलपिंडी,22 अक्टूबर 2024। जहां एक और इस वक्त भारत और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है, वहीं पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच भी टेस्ट सीरीज जारी है। पाकिस्तान बनाम इंग्लैंड सीरीज के दो मैच हो चुके हैं। अब तीसरे मैच की बारी है, जो 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में खेला जाएगा। इस मैच में अभी भी दो दिन बाकी हैं, लेकिन इससे पहले ही इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है। साथ ही इस बार काफी कुछ बदलाव भी नजर आ रहे हैं। खास बात ये है कि इंग्लैंड ने इस मैच में तीन स्पिनर्स को उतारने का फैसला किया है।

तीन मैचों की सीरीज में अभी दोनों टीमों ने जीते हैं एक एक मैच

पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच जारी तीन टेस्ट मैचों की सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला 24 अक्टूबर से रावलपिंडी में है। पहले दो मैच मुल्तान में खेले गए थे। पहला मैच इंग्लैंड ने शानदार तरीके से अपने नाम किया था। इसके बाद दूसरे मैच में पलटवार करते हुए पाकिस्तान ने जीत दर्ज की। पाकिस्तान को ये जीत लंबे समय बाद मिली थी। वहीं कप्तान शान मसूद की ये पहली जीत थी। अब तीसरे मैच की बारी है। माना जा रहा है कि रावलपिंडी में पाकिस्तान ने ऐसी पिच तैयार कराई है, जो स्पिनर्स के लिए मददगार हो। यही वजह है कि इंग्लैंड ने अगले टेस्ट के लिए जो टीम घोषित की है, उसमें तीन स्पिनर शामिल किए गए हैं।

जैक लीच और शोएब बशीर के अलावा रेहान अहमद टीम में शामिल

टीम में जैक लीच और शोएब बशीर के अलावा रेहान अहमद को भी शामिल किया गया है। सीरीज बराबरी पर है और जो टीम ये मैच जीतेगी, सीरीज पर भी कब्जा कर ही लेगी। इसलिए ये और भी ज्यादा अहम हो जाता है। हालांकि टीम अगर चाहे तो टॉस के वक्त तक अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है। लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर माना यही जाएगा कि अंग्रेज पाकिस्तान को उसी के हथियार यानी स्पिनर्स से ही मारने की कोशिश करेंगे। दोनों टीमों के स्पिनर्स एक दूसरे के आमने सामने होंगे। यानी मैच हो ना तो पांच दिन तक चले ही ना। तीन से चार ही दिन में मुकाबला खत्म हो जाए, ऐसा भी हो सकता है।

बाबर आजम और शाहीन पाकिस्तानी टीम का हिस्सा नहीं

पाकिस्तान की टीम भले ही पिछला मुकाबला जीत चुकी हो, लेकिन टीम की हालत खस्ता है। अपने ही घर पर जीतने के लिए टीम को कड़ी मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं इंग्लिश टीम बेहतर प्रदर्शन करते हुए दिखाई दे रही है। मैच को लेकर उम्मीद की जानी चाहिए कि ये काफी शानदार होगा। देखना होगा कि बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की गैरमौजूदगी में शान मसूद की टीम कैसा खेल दिखाती है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 15 सदस्यीय भारत ए टीम की कप्तानी करेंगे रुतुराज गायकवाड़

मुंबई,22 अक्टूबर 2024। राष्ट्रीय पुरुष चयन समिति ने आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 15 सदस्यीय भारत ए टीम का चयन किया है, जिसमें रुतुराज गायकवाड़ को इस दौरे के लिए कप्तान बनाया है। बंगाल रणजी ट्रॉफी टीम के सलामी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन इस लाल गेंद दौरे के लिए गायकवाड़ के उपकप्तान होंगे, जबकि नितीश कुमार रेड्डी, देवदत्त पडिक्कल और साई सुदर्शन जैसे खिलाड़ी टीम के अन्य सदस्य होंगे।

मुकेश कुमार, खलील अहमद, यश दयाल और नवदीप सैनी इस दौरे पर भारत ए आक्रमण की अगुआई करेंगे, जो भारत और ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के साथ मेल खाएगा। ईशान किशन और अभिषेक पोरेल 15 सदस्यीय भारत ए टीम में दो विकेटकीपर हैं, जो क्रमश- मैके और मेलबर्न में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच खेलेंगे।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने एक विज्ञप्ति में बताया कि भारत ए टीम पर्थ में टीम इंडिया (सीनियर पुरुष) के खिलाफ तीन दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी हिस्सा लेगी।

भारत ए का ऑस्ट्रेलिया दौरा 31 अक्टूबर से 3 नवंबर तक मैके में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय प्रथम श्रेणी मैच से शुरू होगा। दूसरा मैच 7 से 10 नवंबर तक मेलबर्न में खेला जाएगा। भारत ए 15 से 17 नवंबर तक पर्थ में सीनियर पुरुष टीम के साथ तीन दिवसीय इंट्रा-स्क्वाड भिड़ंत के साथ दौरे का समापन करेगा। यह दौरा न केवल उन खिलाड़ियों के लिए एक अवसर के रूप में महत्वपूर्ण है जो वर्तमान में सीनियर पुरुष टीम में नहीं हैं, बल्कि एक लंबे दौरे के दौरान चोट या किसी अन्य कारण से प्रथम-टीम के खिलाड़ियों की अनुपलब्धता से निपटने के लिए एक रिजर्व टीम भी प्रदान करता है, जिसमें पांच टेस्ट मैच शामिल हैं और इसके बाद सफेद गेंद की एक श्रृंखला होगी।

यह खिलाड़ियों, खासकर मुकेश कुमार, खलील अहमद और यश दयाल जैसे तेज गेंदबाजों के लिए ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियों से अनुकूल होने का अवसर है, ताकि जरूरत पडऩे पर वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत ए टीमः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), साई सुदर्शन, नितीश कुमार रेड्डी, देवदत्त पडिक्कल, रिकी भुई, बाबा इंद्रजीत, ईशान किशन (विकेट कीपर), अभिषेक पोरेल (विकेट कीपर), मुकेश कुमार, खलील अहमद, यश दयाल, नवदीप सैनी, मानव सुथार, तनुश कोटियन।

शेड्यूलः

31 अक्टूबर से 3 नवंबरः पहला प्रथम श्रेणी-जीबीआरए, मैके

7 से 10 नवंबरः दूसरा प्रथम श्रेणी-एमसीजी,मेलबर्न

15 से 17 नवंबरः इंट्रा-स्क्वाड मैच सिमुलेशन-वाका, पर्थ

क्लार्क ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज के रूप में बैनक्रॉफ्ट का समर्थन किया

नई दिल्ली,22 अक्टूबर 2024। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क ने 31 वर्षीय कैमरून बैनक्रॉफ्ट को टेस्ट टीम में वापस बुलाने का समर्थन किया है। उन्होंने भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को शामिल करने का सुझाव दिया है। ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन की पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर की चोट के कारण बैनक्रॉफ्ट को भारत के खिलाफ 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली महत्वपूर्ण बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में वापस बुलाने का मौका मिल सकता है।

क्लार्क ने स्काई के बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट पर कहा, मुझे नहीं लगता कि दो मैचों के लिए किसी को चुनना उचित है। यही बात मैंने सैम कोंस्टास के बारे में भी कही है। मुझे लगता है कि वह बहुत प्रतिभाशाली खिलाड़ी है और मुझे अच्छा लगा कि उसने इस सत्र की शुरुआत बहुत अच्छी की है, लेकिन सिर्फ़ इसलिए कि आपने दो शतक बनाए हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि आप किसी ऐसे खिलाड़ी को बाहर कर दें जिसने पिछले चार सालों में 12 शतक बनाए हैं, जैसे कि बैनक्रॉफ्ट या हैरिस।

वे लंबे समय से प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेल रहे हैं, उन्होंने अगली पंक्ति में आने का अधिकार अर्जित किया है। उन्होंने कहा, अगर मैं ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का कप्तान होता और मुझे नहीं पता होता कि पहले टेस्ट मैच में कौन ओपनिंग कर रहा है, तो मुझे बहुत निराशा होती। शेफील्ड शील्ड के पिछले कुछ सत्रों में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले बैनक्रॉफ्ट आगामी सीरीज़ में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से ओपनिंग करने के लिए मैथ्यू रेनशॉ और मार्कस हैरिस के साथ शामिल हैं।

साक्षी मलिक ने किताब में किया बड़ा खुलासा

बृजभूषण ने की थी मेरा यौन शोषण करने की कोशिश

नई दिल्ली,22 अक्टूबर 2024। पहलवान साक्षी मलिक बीते साल जंतर-मंतर पर धरने पर बैठी थीं, जहां उनके साथ विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया भी मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने बृजभूषण सिंह पर महिला पहलवानों के साथ यौन शोषण का आरोप लगाया गया था। साक्षी कई बार यौन शोषण की बात करते हुए भावुक हुईं। उस समय सभी को लगा कि वह जिन रेसलर्स की बात कर रही हैं उनके बारे में सोच कर भावुक हो रही हैं हालांकि साक्षी की किताब विटनेस के मुताबिक वह अपने साथ बीती बातों को लेकर भावुक हो रही थीं।

शोएब अख्तर और वीरेंद्र सहवाग ने क्रिकेट पर डीपी वर्ल्ड आईएलटी 20 के प्रभाव की प्रशंसा की

दुबई,22 अक्टूबर 2024। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 अपने तीसरे संस्करण के लिए तैयार है, जो 11 जनवरी, 2025 से शुरू होने वाला है, क्रिकेट के दिग्गज वीरेंद्र सहवाग और शोएब अख्तर ने क्षेत्र से प्रतिभाओं को विकसित करने और खिलाड़ियों को अमूल्य अनुभव प्रदान करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए लीग की प्रशंसा की। दोनों दिग्गजों ने पिछले सप्ताहांत दुबई मरीना में एक नौका पर आयोजित सीजऩ 3 के लॉन्च कार्यक्रम में बात की। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने पिछले दो सत्रों में लीग के प्रभाव पर बात करते हुए कहा, जब हम डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के पिछले दो सत्रों को देखते हैं, तो हम देख सकते हैं कि कई खिलाड़ी, चाहे वे यूएई से हों या अफगानिस्तान जैसे अन्य देशों से, आईसीसी टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया है। उन्होंने यूएई के खिलाड़ियों को लीग द्वारा प्रदान किए जाने वाले सीखने के अनूठे अवसरों पर भी जोर दिया, यूएई टीम के लिए, जब खिलाड़ी नौ अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ खेलते हैं, तो उन्हें इन अनुभवी खिलाड़ियों से सीखने का मौका मिलता है। न केवल मैचों के दौरान बल्कि यह भी कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैसे अभ्यास करते हैं, तैयारी करते हैं और दबाव की स्थितियों को कैसे संभालते हैं। उन्हें इस तरह का अनुभव कहीं और नहीं मिलेगा।

सहवाग ने वैश्विक सितारों के साथ अपने अनुभवों को भी याद किया और बताया कि कैसे उन मुलाकातों ने उनके करियर को आकार दिया। उन्होंने कहा, जब मुझे ग्लेन मैकग्रा, एबी डिविलियर्स और तिलकरत्ने दिलशान जैसे सितारों के साथ खेलने का मौका मिला, तो इससे मुझे बहुत मदद मिली क्योंकि उन्होंने अपने अनुभव मेरे साथ साझा किए। उस अनुभव के बाद मेरे कई सीजऩ बहुत अच्छे रहे। डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 संयुक्त अरब अमीरात के क्रिकेटरों को भी इसी तरह के अवसर प्रदान कर रहा है।

जब अमिताभ बच्चन से बोला डायरेक्टर...पेड़ पर चढ़ जाओ

सुनते ही तेज हो गई थी बिग बी के दिल की धड़कन

कौन बनेगा करोड़पति 16 में अक्सर बिग बी अपनी फिल्मों और पर्सनल लाइफ से जुड़े किस्से सुनाते हैं। अपने माता-पिता से लेकर बच्चों तक के बारे में उन्हें बात करते देखा गया है। केबीसी का लेटेस्ट एपिसोड अमिताभ बच्चन के फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट राउंड के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद ठाणे के तेजस शरदकुमार देशमुख हॉट सीट पर पहुंचे। तेजस एक टैक कंपनी में काम करते हैं। तेजस अपनी सारी लाइफलाइन और ज्ञान की मदद के बूते 1,60,000 रुपये जीतने में सफल रहे और इसके बाद उन्होंने शो क्विट करने का फैसला लिया। तेजस ने जैसे ही शो छोड़ा, फास्टेस्ट फिंगर फर्स्ट का एक और राउंड शुरू हुआ।

बिग बी को याद आया सौदागर से जुड़ा किस्सा

इस बार धनराज धीरूभाई मोदी को हॉट सीट पर बैठने का मौका मिला। धनराज ने इस दौरान बताया कि वह कौन बनेगा करोड़पति को अपना परिवार मानते हैं। उन्होंने शो में बिग बी से बात करते हुए यह भी बताया कि उन्हें केबीसी से इतना लगाव है कि उन्होंने टीम को अपनी शादी का न्योता भी भेजा था। कंटेस्टेंट की बात सुनकर, अमिताभ बच्चन ने खुलासा किया कि उन्हें शादी के बारे में पता नहीं चला वरना वह उन्हें जरूर बधाई देते। धनराज गुजरात के सोमनाथ के रहने वाले हैं और जीपीएससी की तैयारी कर रहे हैं। इसके साथ ही वह पिता के नारियल की खेती की देख-रेख में भी मदद करते हैं।

जब डायरेक्टर ने अमिताभ से कहा- पेड़ पर चढ़ना पड़ेगा

जैसे ही धनराज ने नारियल की खेती का जिक्र किया, बिग बी को साल 1973 में आई फिल्म सौदागर याद आ गई। इस फिल्म में उन्होंने नूतन के साथ काम किया था। सुधेन्दु रॉय के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बिग बी ने मोती नाम के शख्स का किरदार निभाया था। बिग बी ने अपनी इस फिल्म फिल्म को याद करते हुए कहा, शुरुआत में हमने एक फिल्म की थी, सौदागर नाम की। इस फिल्म में हम नारियल पानी निकला करते थे। डायरेक्टर साहब ने हमसे कहा- कि आपको पेड़ पर चढ़ना पड़ेगा। ये सुनते ही हमने कहा भैया हम कैसे चढ़ेंगे बड़ी मुश्किल है। ये सुनकर डायरेक्टर साहब बोले- कोई बात नहीं सिखा देंगे आपको।

लेदर बांधकर पेड़ पर चढ़ते थे...

बिग बी अपनी बात को जारी रखते हुए आगे कहते हैं- वो ऐसे लेदर बांधते हैं पीठ पर और वो आगे पुश करते जाते हैं और आगे चढ़ते जाते हैं... बहुत कुछ था। लेकिन, जो सबसे खतरनाक बात है वो ये कि उस पेड़ में जो काटा निकले हुए होते हैं, अगर आप जल्दी-जल्दी नीचे आने की कोशिश करते हैं तो वो लग जाते हैं।

बिग बी का कंटेस्टेंट से सवाल

बिग बी ने इस किस्से के बारे में बात करते हुए धनराज से पूछा कि क्या उन्होंने भी कभी नारियल के पेड़ पर चढ़ने की कोशिश की है? इस पर धनराज मजाकिया अंदाज में जवाब देते हैं- %नहीं सर, मैं सिर्फ नारियल पानी पीने जाता हूं।% ये सुनते ही अमिताभ बच्चन सहित सभी की हंसी छूट जाती है।

मेरे बारे में उल्टा-सीधा बोला था, नसीरुद्दीन शाह संग हुई कहासुनी पर अनुपम खेर ने किया रिएक्ट

अनुपम खेर अपनी फिल्मों से लेकर पर्सनल लाइफ पर अक्सर खुलकर बात करते आए हैं। सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाले दिग्गज अभिनेता फैंस के साथ अपने परिवार की झलकियां शेयर करने से भी नहीं हिचकिचाते। पत्नी किरण खेर, बेटे सिकंदर से लेकर मां तक, अनुपम अपने परिवार के साथ अक्सर तस्वीरें-वीडियो शेयर करते हैं। दूसरी तरफ, कोई मुद्दा हो तो उसे भी एड्रेस करने के लिए अनुपम खेर सोशल मीडिया का सहारा लेते हैं। 2020 में अनुपम खेर का नसीरुद्दीन शाह से कुछ विवाद हो गया था, जिस पर अब उन्होंने खुलकर बात की है। इस पूरे विवाद पर अनुपम खेर का कहना है कि नसीरुद्दीन शाह को जवाब देना जरूरी था, इसलिए उन्होंने दिग्गज अभिनेता को जवाब दिया। हालांकि, उन्होंने ये भी बताया कि इस पूरे विवाद के बाद जब वह उनसे मिले तो दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाया था।

नसीर सर को जवाब देना जरूरी था- अनुपम खेर

नसीरुद्दीन शाह और अनुपम खेर के बीच 2020 में ये विवाद दीपिका पादुकोण के जेएनयू विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद शुरू हुआ था। अब शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बात करते हुए अनुपम खेर ने एक बार फिर इस विवाद पर बात की। उनसे जब पूछा गया कि दो दोस्त या साथ काम कर रहे दो लोग जब अलग-अलग पॉलिटिकल ओपिनियन रखते हैं तो क्या होता है? जवाब में कहा- मैंने कभी भी पर्सनल रिलेशन खराब नहीं किए। नसीर साहब के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान है। लेकिन, जब उन्होंने मेरे बारे में उल्टा-सीधा बोला तो मुझे लगा कि उन्हें जवाब देना जरूरी है। मैंने भगवत गीता पढ़ी है। उसमें कृष्ण ने अर्जुन से जब कहा था- कि ये तुम्हारा परिवार नहीं है, ये तुम्हे करना ही होगा। तो मुझे भी सच बोलना पड़ा।

दरअसल, 2020 में अपनी फिल्म छपाक के प्रमोशन के दौरान दीपिका जेएनयू में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ खड़ी नजर आई थीं। इस पर जहां अनुपम खेर दीपिका के विपक्ष में दिखाई दिए तो वहीं नसीरुद्दीन शाह उनके पक्ष में थे। दीपिका का समर्थन करते हुए नसीरुद्दीन शाह ने अनुपम खेर को साइकोपैथ और जोकर तक कह दिया था। उन्होंने कहा था- ये अनुपम के खून में है, उन्हें सीरियसली नहीं लेना चाहिए।

नसीरुद्दीन के वार का अनुपम खेर ने भी दिया था जवाब

नसीरुद्दीन शाह की इस बयानबाजी पर अनुपम खेर ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी दिग्गज अभिनेता को फ्रस्ट्रेटेड कह दिया था। उन्होंने कहा था- नसीर साहब मैंने आपको और आपकी बातों को कभी सीरियस नहीं लिया। इतनी सफलता मिलने के बाद भी आपने अपनी पूरी जिंदगी फ्रस्ट्रेशन में ही गुजारी है।

निम्रत कौर के आगे जब ऐश्वर्या की तारीफ करते नहीं थके अभिषेक बच्चन,बिना पलकें झपकाए देखती रह गईं एक्ट्रेस

सामने आए इस वीडियो में निम्रत कौर नजर आ रही हैं। ये वीडियो फिल्म दसवीं के प्रचार के दौरान का है। इस फिल्म में निम्रत कौर और अभिषेक बच्चन लीड रोल में थे। इस फिल्म का प्रचार करते हुए अभिषेक ने बॉलीवुड हंगामा से कहा, मेरी पत्नी इस मामले में असाधारण है। वह हमेशा मेरे लिए एक अद्भुत भावनात्मक सहारा रही है। मैं बहुत भाग्यशाली रहा हूं, मेरा पूरा परिवार भाग्यशाली रहा है। ऐश्वर्या जैसी जीवनसाथी होने की सबसे अच्छी बात यह है कि वह व्यवसाय से है। वह इसे समझती है। वह मुझसे थोड़े ज्यादा समय से यह काम कर रही है। इसलिए वह दुनिया को जानती है। वह इन सब से गुजरी हैं। इसलिए जब आप घर आते हैं और यदि आपका कोई चुनौतीपूर्ण दिन रहा है तो यह अच्छा होता है, आप जानते हैं कि कोई है जो इसे समझता है।इस पूरी बातचीत के दौरान निम्रत कौर, अभिषेक की बातें ध्यान से सुनती रहीं और उनकी बातों में हामी भी भरती नजर आईं।

C M Y K

शराब घोटाले में हुआ नया खुलासा

» सीएमसीएल के अधिकारी बिल भुगतान के नाम पर लिया करते थे रिश्वत...

» डीजीएम समेत 9 पर ईओडब्लू में केस...

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में 2000 करोड़ रुपये से अधिक के शराब घोटाले में नए तथ्य सामने आए हैं। इस घोटाले की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खुलासा किया है कि छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड (सीएमसीएल) के अधिकारी बिल भुगतान के नाम पर 8 प्रतिशत तक रिश्वत लिया करते थे। इस संबंध में सीएमसीएल के तत्कालीन डिप्टी जनरल मैनेजर (डीजीएम) नवीन प्रताप सिंह तोमर सहित 9 लोगों के खिलाफ आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) में केस दर्ज कराया गया है। ईडी के अफसरों ने सीएमसीएल के तत्कालीन डीजीएम नवीन प्रताप सिंह तोमर तथा सीएमसीएल के बीआर लोहिया, अजय लोहिया के साथ अभिषेक कुमार सिंह, तिजाउराम निर्मलकर, नीरज कुमार, देवांश देवांगन, जितेंद्र कुमार निर्मलकर, लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा तथा अन्य के खिलाफ ईओडब्लू में रिश्वत लेने की शिकायत दर्ज कराई है।

रिश्वत का चैनलिंग सिस्टम

पूछताछ में लोकेश ने ईडी के अफसरों को बताया कि सीएमसीएल के तत्कालीन डीजीएम के पास उसने अपने कर्मचारी जितेंद्र का नंबर साझा किया था। मेसर्स ईगल हंटर्स के नीरज ने ईडी को बताया कि नवीन प्रताप सिंह तोमर मैनपॉवर उपलब्ध कराने वाली कंपनियों से बिल भुगतान करने के एवज में रिश्वत लेता था। नवीन प्रताप सिंह बिल भुगतान करने के एवज में आठ प्रतिशत की दर से रिश्वत की मांग करता था। वहीं ईडी द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक उनकी टीम ने दो लोगों को 28 लाख 80 हजार रुपए रिश्वत लेते पकड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार सीएमसीएल का अफसर मैन पॉवर उपलब्ध कराने वाली कंपनी से बिल भुगतान करने के एवज में रिश्वत लेता था।

मैनपॉवर उपलब्ध कराने आठ प्रतिशत कमीशन

पूछताछ में लोकेश ने ईडी के अफसरों को बताया कि सीएमसीएल के तत्कालीन डीजीएम के पास उसने अपने कर्मचारी जितेंद्र का नंबर साझा किया था। मेसर्स ईगल हंटर्स के नीरज ने ईडी को बताया कि नवीन प्रताप सिंह तोमर मैनपॉवर उपलब्ध कराने वाली कंपनियों से बिल भुगतान करने के एवज में रिश्वत लेता था। नवीन प्रताप सिंह बिल भुगतान करने के एवज में आठ प्रतिशत की दर से रिश्वत की मांग करता था।

चैनल के रास्ते रिश्वत पहुंचता था

ईडी ने जिन लोगों को रिश्वत देते तथा लेते पकड़ा था, दोनों निजी क्षेत्र से जुड़े लोग हैं। ईडी ने रिश्वत लेने के आरोपी देवांश देवांगन तथा जितेंद्र से पूछताछ की, तो दोनों ने ईडी के अफसरों को बताया कि उन्हें उनके रियल एस्टेट बॉस लोकेश्वर प्रसाद सिन्हा, मेसर्स फॉर्च्यून बिल्डकॉन के मालिक द्वारा नकदी एकत्र करने के निर्देश दिए गए थे। इस पर ईडी ने लोकेश से पूछताछ की, तो उसने खुलासा किया कि उसे नवीन प्रताप सिंह ने नकदी एकत्र करने के लिए कहा था। ईडी ने ईओडब्लू में जो शिकायत दर्ज कराई है, उसके मुताबिक पिछले वर्ष 29 नवंबर को सीएमसीएल दफ्तर में छापे की कार्रवाई के दौरान अभिषेक कुमार सिंह, तिजाउराम देवांश को जितेंद्र कुमार को रिश्वत देते हुए पकड़ा था। तिजाउराम तथा अभिषेक मेसर्स ईगल हंटर सॉल्यूशंस लिमिटेड के कर्मचारी हैं। दोनों व्यक्ति सीएमसीएल को मैनपॉवर उपलब्ध कराने का काम करते थे। अभिषेक ने पूछताछ में ईडी को बताया कि वह अपनी कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी नीरज कुमार के कहने पर सीएमसीएल के अफसर को रिश्वत देने आया था।

जेल में मनेगी विधायक देवेंद्र यादव की दिवाली

4 नवंबर तक बढ़ी रिमांड

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। बलौदाबाजार आगजनी और हिंसा मामले में जेल में बंद विधायक देवेंद्र यादव की मुश्किलें अभी खत्म नहीं हो रही हैं। सोमवार को बलौदाबाजार सीजेएम कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान उनकी रिमांड की अवधि 4 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। इसके चलते इस बार दीपावली भी देवेंद्र यादव जेल में ही मनाएंगे। विधायक देवेंद्र यादव 17 अगस्त से जेल में बंद हैं और अब तक उन्हें कोर्ट से राहत नहीं मिली है। गिरफ्तारी के 66 दिन बीतने के बाद भी बार-बार रिमांड बढ़ाई जा रही है, जिससे वे जेल से बाहर नहीं आ पा रहे हैं। सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देवेंद्र यादव की कोर्ट में पेशी हुई, जहां पुलिस ने उनकी रिमांड बढ़ाने की मांग की। लंबी बहस के बाद कोर्ट ने उनकी रिमांड को 4 नवंबर तक बढ़ाने का फैसला सुनाया। देवेंद्र यादव के वकील अनादि शंकर मिश्रा ने अदालत में यह तर्क दिया कि इतनी लंबी हिरासत के बाद भी पुलिस ने कोई ठोस सबूत नहीं जुटाए हैं, लेकिन पुलिस की मांग पर अदालत ने रिमांड बढ़ा दी।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

कई एडिश्नल एसपी का हुआ ट्रांसफर

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। राज्य शासन ने एडिश्नल एसपी स्तर के कई अधिकारियों का ट्रांसफर किया है। जारी आदेश में 11 पुलिस अफसरों का नाम शामिल हैं, जिनका तबादला किया गया है।

सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी

पीएससी पहली बार लेगी परीक्षा

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में पुलिस विभाग के 341 पदों पर सब इंस्पेक्टर, सूबेदार और प्लाटून कमांडर की भर्ती के लिए बड़ी खबर आई है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने इन पदों की भर्ती परीक्षा को लेकर पहली बार विज्ञापन जारी किया है। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत 341 पदों के लिए उम्मीदवारों से आवेदन मांगे गए हैं। पीएससी द्वारा जारी विज्ञापन के अनुसार, 23 अक्टूबर से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी। यह भर्ती छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के लिए की जा रही है, जिसमें सूबेदार, उप निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) और प्लाटून कमांडर के पद शामिल हैं। सरकारी नौकरी की चाह रखने वाले उम्मीदवार आवेदन प्रक्रिया, पात्रता और अन्य जानकारी के लिए अभ्यर्थी पीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं।

आकाश शर्मा के नाम की घोषणा

कांग्रेस से लेंगे दक्षिण का उपचुनाव

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। रायपुर दक्षिण के उपचुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी से युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा का टिकट दिया गया है।कांग्रेस के चुनाव समिति ने 14 दावेदारों में से एजाज ढेबर, ज्ञानेश शर्मा, कन्हैया अग्रवाल और आकाश शर्मा के नामों पर गहन चर्चा की और उनमें से 2 नाम हाईकमान को भेजा। सूत्रों के अनुसार युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा का नाम सबसे आगे चल रहा था।

भाजपा को मिली ऐतिहासिक उपलब्धि

» सदस्यता अभियान में बने 50 लाख से ऊपर सदस्य

रायपुर,22 अक्टूबर 2024 (ए)। भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान की अब तक की प्रगति की समीक्षा के लिए आहूत केंद्रीय समिति की बैठक में पार्टी की प्राथमिक सदस्यता की रिपोर्टिंग करके छत्तीसगढ़ की जानकारी प्रस्तुत की गई। सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक व प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने बैठक में बताया कि प्रदेश में पहाड़ी कोरवा समाज (पीवीजीटी) में भी भाजपा की सदस्यता के लिए कार्यकर्ता दुर्गम स्थानों तक पहुँचे। बैठक में प्रदेश में चल रहे अभियान, विशेषकर पहाड़ी कोरवा समाज में भाजपा सदस्यता, की प्रशंसा की गई। सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित भाजपा केंद्रीय समिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा ,राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी के लक्ष्मण, राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जम्वाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण देव, संगठन महामंत्री पवन साय, महामंत्री संजय श्रीवास्तव, सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक अनुराग सिंहदेव, सदस्यता अभियान टोली की

सदस्य सांसद रूपकुमारी चौधरी, चम्पादेवी पावले, अजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नवीन मार्कण्डेय, खूबचंद पारख उपस्थित रहे। भाजपा सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक व प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंहदेव ने प्रदेश में भाजपा की सदस्यता का आँकड़ा 50 लाख पार कर लेने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरणसिंह देव, संगठन महामंत्री पवन साय सहित सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए सबके समन्वित पुरुषार्थ व पराक्रम को नमन किया है।

मेडिकल में एडमिशन लेने वाले छात्रों को मिली राहत

» हाई कोर्ट ने सरकार से कहा- पहले नियम बदलें, फिर उसे लागू करें

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में एनआरआई कोटे के विवाद में उलझे छात्रों को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट के 24 सितम्बर के फैसले के बाद इस कोटे से हुए प्रवेश को लेकर महाधिवक्ता ने जो अभिमत दिया था उसे हाईकोर्ट ने निरस्त कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जो भी प्रवेश हुए हैं वो भर्ती के पुराने नियम के तहत हुए हैं। सरकार पहले नया नियम बनाये फिर उसे लागू करे। इस सत्र में भर्ती प्रक्रिया के समय लागू एनआरआई की परिभाषा से ही भर्ती प्रक्रिया पूरी होगी।

एनआरआई के रिश्तेदार की परिभाषा को लेकर है आपत्ति

दरअसल एनआरआई कोटे से मेडिकल में एडमिशन को लेकर रिश्तेदार की जो व्याख्या की गई है, उसे पहले पंजाब हाई कोर्ट ने फिर सुप्रीम कोर्ट ने भी ख़ारिज कर दिया। इसी के परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ कांग्रेस के चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ राकेश गुप्ता ने आपत्ति जताई कि 24 सितम्बर को आये सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद एनआरआई कोटे के तहत हुए एडमिशन को रद्द करएनआरआई के वास्तविक रिश्तेदारों को ही इस कोटे का लाभ दिया जाये।

बदमाश के चक्कर में नप गए 6 पुलिसवाले

थाना प्रभारी पर भी हुई कार्रवाई

बिलासपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। अपराध दर्ज कराने थाने पहुंचे आदतन बदमाश ने जमकर हंगामा मचाया, यही नहीं गाली गलौज करते हुए फोन करवाने की भी धौंस दिखाई. लेकिन झूठी शिकायत की आशंका पर थाना स्टाफ ने घायल बदमाश की रिपोर्ट नहीं लिखी। मामले में पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने रतनपुर थाना प्रभारी समेत आधा दर्जन स्टाफ को लाइन अटैच कर दिया है। जानकारी के मुताबिक,विक्की उर्फ विकास रावत का नाम रतनपुर थाने के गुंडा सूची में शामिल है। उसके खिलाफ थाने में कई अपराध दर्ज हैं. रविवार की रात वह अचानक रतनपुर थाना पहुंचा और कुछ लोगों पर शराब भट्टी के पास मारपीट करने का आरोप लगाते हुए अपराध दर्ज कराने की बात कहने लगा. आरोपी ने बताया कि मारपीट में उसके कंधे में चोट है और हाथ से भी खून बह रहा है।

इस दौरान पुलिसकर्मियों ने पहले घटना की तस्दीक करने और घटना सही पाए जाने पर अपराध दर्ज करने की बात कही, तो विक्की रावत तत्काल अपराध दर्ज करने की बात कहते हुए थाने में हंगामा मचाते हुए गाली-गलौज कर थाना प्रभारी को फोन लगवाने की धौंस देने लगा। बदमाश युवक थाने में हंगामा करता रहा और पुलिसकर्मी मूकदर्शक बने रहे। फिर उसे अस्पताल में भर्ती कराया. एसपी रजनेश सिंह ने मामले में संज्ञान लिया। घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए रतनपुर थाना प्रभारी रजनीश सिंह, आरक्षक नंदकुमार यादव, अजय भारद्वाज, घनश्याम राठौर, दुर्गेश प्रजापति, राकेश आनंद को लाइन अटैच कर दिया है।

रानू साहू और माया वारियर को स्पेशल कोर्ट में किया पेश

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में हुए डीएमएफ घोटाले के आरोप में गिरफ्तार पूर्व आईएएस अधिकारी रानू साहू और मीरा वारियर को आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विशेष कोर्ट में पेश किया। उनकी 5 दिनों की कस्टोडियल रिमांड समाप्त होने के बाद कोर्ट में सुनवाई हुई, जिसमें दोनों को 14 दिनों की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। अब रानू साहू और माया वारियर 5 नवंबर तक जेल में रहेंगे।

रानू साहू ने जून 2021 से जून 2022 तक कोरबा में कलेक्टर के रूप में कार्य किया और उसके बाद वह फरवरी 2023 तक रायगढ़ की कलेक्टर रहीं। इस दौरान माया वारियर भी कोरबा में पदस्थ थीं। दोनों के बीच करीबी संबंधों के कारण, कोयला घोटाले के सिलसिले में ईडी ने माया वारियर के दफ्तर और घर पर छापा मारा था।

डीएमएफ की बड़ी राशि आदिवासी विकास विभाग को प्रदान की गई थी, जिसमें घोटाले का आरोप लगाया गया है। जांच के दौरान ईडी को इस संबंध में सबूत मिले, जिसके चलते माया वारियर को भी गिरफ्तार किया गया। रिमांड बढ़ने के बाद अब दोनों आरोपियों से पूछताछ जारी रहेगी, ताकि इस मामले की जड़ तक पहुँचा जा सके।

छत्तीसगढ़ के सरकारी कर्मचारियों को सैलरी दीपावली से पहले होंगे जारी

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर शासकीय सेवकों को 1 नवम्बर को देय अक्टूबर माह का वेतन 28 अक्टूबर दीपावली के पूर्व जारी करने के आदेश दिए गए हैं। आशा है कि दीपोत्सव और भी आनंददायक होगा। आदेश में लिखा है.... राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता भाग एक के सहायक नियम 206 (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्णय लिया गया है कि माह अक्टूबर, 2024 के वेतन का भुगतान दीपावली पर्व के दृष्टिगत दिनांक 28 अक्टूबर, 2024 एवं पश्चातवर्ती तिथियों में किया जाये । यह भी निर्णय लिया गया है कि व्यावसायिक सेवाओं हेतु अदायगी मद (जिससे कार्मिकों को भुगतान किया जाता हो) से किये जाने वाले भुगतान भी दिनांक 28 अक्टूबर, 2024 एवं पश्चातवर्ती तिथियों में किया जाये ताकि कार्मिकों को मजदूरी / पारिश्रमिक / मानदेय का भुगतान किया जा सकें । राज्य शासन के निगम / मंडल / प्राधिकरण / आयोग / विश्वविद्यालय / स्थानीय निकाय/ सार्वजनिक उपक्रम / अन्य एजेंसी / संस्थान भी अपनी वित्तीय स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए उपरोक्तानुसार भुगतान पर विचार कर सकते हैं।

शिक्षकों का बड़ा प्रदर्शन 24 अक्टूबर को

स्कूलों में लटकेंगे ताले...सभी जिलों में होगा धरना प्रदर्शन...

रायपुर,22 अक्टूबर 2024(ए)। प्रदेश के शिक्षकों में संविलियन के बाद उनकी वर्षो की पुरानी सेवा को शून्य किये जाने से बड़ी नाराज़गी है, इसके कारण उन्हें कर्मचारियों को मिलने वाले त्रिस्तरीय क्रमोन्नति/ समयमान वेतनमान से वंचित होना पड़ रहा है। पूर्ण पेंशन नही मिल पायेगा,ग्रेज्युटी,कैशलीव जैसी सुविधाओं में भी आंशिक लाभ ही मिल पायेगा क्योंकि इन सबका पूर्ण लाभ लेने के लिए निर्धारित समयावधि की सेवा आवश्यक होती है।

पुरानी सेवा गणना नही होने से कई तरह की वेतन विसंगतियां भी शिक्षक एल बी संवर्ग के वेतनमान में आई है। वेतन विसंगति को दूर करने की बात मोदी गारंटी में वर्तमान सरकार ने खुद अपने संकल्प पत्र में लिखा है। ऐसे में अपनी इन्ही मांगो को लेकर प्रदेश के शिक्षक 24 अक्टूबर को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में बड़ा धरना प्रदर्शन करने जा रही है। संविलियन आंदोलन के बाद यह पहला आंदोलन होगा जिसमें सभी प्रमुख शिक्षक संगठन एक साथ एक मंच पर आकर शिक्षक संघर्ष मोर्चा बनाकर आंदोलन कर रहे हैं। छग शिक्षक संघर्ष मोर्चा के प्रांत संचालक गण वीरेंद्र दुबे, संजय शर्मा, मनीष मिश्रा व विकास राजपूत के नेतृत्व में इसे पूर्व सेवा गणना मिशन का नाम देते हुए 24 अक्टूबर को प्रदेश के हर जिले में जिलास्तरीय धरना प्रदर्शन कर रैली निकाली जायेगी।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)